✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 10 अंक - 134

बक्सर, मंगलवार 15 सितम्बर 2026

कलम लोक

<7|

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

> "योग्यता आपको सफलता की ऊँचाई तक पहुँचा सकती है किन्तु चरित्र आपको उस ऊँचाई पर बनाये रखती है।

यह झूठ की गूंज के सामने सत्य की विजय का प्रमाण, राजस्थान निकाय चुनाव में बीजेपी की जीत पर बोले पीएम मोदी

भाजपा की बड़ी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया राज्य की जनता का आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शानदार प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश की जनता का आभार जताया है। सोमवार को घोषित हुए चुनाव परिणामों में भाजपा ने बड़ी संख्या में वार्डों में जीत दर्ज करते हुए कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया। इस प्रदर्शन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रतिक्रिया दी और इसे 'झूठ की गूंज के सामने सत्य की विजय' बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के नगर निकाय चुनाव में भाजपा को समर्थन देने वाले मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'राजस्थान के नगर निकाय चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने के लिए जनता-जनार्दन का हृदय से आभार। यह झूठ की गूंज के सामने सत्य की विजय का प्रमाण है।' प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखा गया। नगर निकाय चुनावों के परिणामों को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इन चुनावों में स्थानीय स्तर पर जनता के बीच पार्टी के प्रदर्शन और संगठन की पकड़ का आकलन भी होता है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में राजस्थान की जनता के जनादेश को राज्य की भाजपा सरकार की नीतियों से भी जोड़कर देखा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोगों के इस जनादेश से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि 'डबल इंजन सरकार' की सुशासन और विकास की नीतियों को जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस जनादेश से राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प और मजबूत होगा। साथ ही उन्होंने जन-जन के जीवन में खुशहाली लाने की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान नगर निकाय चुनाव में जीत हासिल करने वाले सभी भाजपा प्रत्याशियों को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के उन कार्यकर्ताओं की भी सराहना की, जिन्होंने चुनाव के दौरान मेहनत और समर्पण के साथ संगठन के लिए काम किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि विजयी प्रत्याशियों के साथ-साथ पार्टी के समर्पित और परिश्रमी कार्यकर्ताओं को उनकी ओर से बहुत-बहुत बधाई। पीएम मोदी का यह संदेश ऐसे समय आया है जब चुनाव परिणामों के बाद भाजपा संगठन में उत्साह का माहौल है।

राजस्थान नगर निकाय चुनाव के नतीजे सोमवार को घोषित किए गए। राज्य के 309 नगर निकायों के कुल 9,900 वार्डों के परिणाम सामने आए। इन परिणामों में भाजपा ने सबसे अधिक वार्डों पर जीत दर्ज की। उपलब्ध चुनाव परिणामों के अनुसार भाजपा ने कुल 4,026 वार्डों में जीत हासिल की। वहीं कांग्रेस को 3,438 वार्डों में सफलता मिली। इसके अलावा 2,436 वार्डों में निर्दलीय और अन्य उम्मीदवार विजयी रहे। वार्ड स्तर पर मिले परिणामों के अनुसार भाजपा ने कांग्रेस के मुकाबले 588 अधिक वार्डों में जीत दर्ज की। इससे राजस्थान के नगर निकाय चुनावों में भाजपा के मजबूत प्रदर्शन का अंदाजा लगाया जा सकता है।

जनादेश को लेकर भाजपा में उत्साह

चुनाव परिणाम सामने आने के बाद भाजपा के भीतर उत्साह बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सार्वजनिक रूप से जनता का आभार जताने और कार्यकर्ताओं को बधाई देने से पार्टी के लिए इस जीत का राजनीतिक महत्व और बढ़ गया है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में जिस तरह इस जीत को 'सत्य की विजय' बताया, उससे साफ है कि भाजपा इस जनादेश को अपनी नीतियों और संगठनात्मक प्रयासों के समर्थन के रूप में देख रही है।

वहीं निर्दलीय और अन्य उम्मीदवारों ने भी बड़ी संख्या में वार्डों में जीत हासिल की है। कुल परिणामों को देखें तो स्थानीय निकायों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा निर्दलीय तथा अन्य उम्मीदवारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। नगर निकाय चुनावों में किसी राजनीतिक दल का प्रदर्शन उसके स्थानीय संगठन और जमीनी पकड़ का संकेत माना जाता है।

मुंबई-दिल्ली में 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

1.75 करोड़ जापानी येन, 103145 अमेरिकी डॉलर की एफडी फ्रीज

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय के मुंबई जोनल ऑफिस-1 ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में मुंबई और दिल्ली में अल्फारा इंफ्राप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, उसके निदेशकों और करीबी सहयोगियों से जुड़े 11 ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 18 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा और 9,567 अमेरिकी डॉलर जब्त किए गए। इसके अलावा करीब 1.02 करोड़ रुपये की एफडी, 1.75 करोड़ जापानी येन और 1,03,145 अमेरिकी डॉलर की एफडी राशि को फ्रीज किया गया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत चल रही जांच के तहत की गई।

ईडी के अनुसार, यह जांच बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत पर चेन्नई स्थित सीबीआई की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। जांच में सामने आया कि सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी AIPL ने 2012 में बैंक ऑफ बड़ौदा से 103 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधा ली थी, जिसे 2015 में बढ़ाकर 360.50 करोड़ रुपये कर दिया गया। 18 जून 2018 को खाते को एनपीए घोषित किया गया था। उस समय बकाया राशि 255.74 करोड़ रुपये थी। जांच में प्रथम दृष्टया पता चला कि कंपनी की करीब 75.02 करोड़ रुपये की लेटर ऑफ क्रेडिट देनदारियां बैंक को चुकानी पड़ीं, जबकि लगभग 164.59 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी भी भुना ली गईं। ईडी का आरोप है कि इससे अपराध से अर्जित रकम उत्पन्न हुई, जिसे विभिन्न लाभार्थी और मध्यस्थ कंपनियों के जरिए कई स्तरों पर घुमाकर AIPL और उसकी समूह कंपनियों में वापस पहुंचाया गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य रकम के वास्तविक स्रोत को छिपाना था। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, कुछ विदेशी बैंक गारंटी ग्लेज्ड टाइल्स के निर्यात के नाम पर खोली गईं, जबकि ऐसा निर्यात हुआ ही नहीं।

इसके बावजूद रकम सिंगापुर और हांगकांग स्थित विदेशी संस्थाओं को भेजी गई। कंपनी द्वारा भुगतान नहीं किए जाने के बाद कई एलसी और बैंक गारंटी देनदारियों में बदल गईं या भुना ली गईं, जिससे बैंक को नुकसान हुआ और रकम कथित तौर पर इधर-उधर की गई। कार्रवाई में बैंक लेनदेन, एलसी, बैंक गारंटी और अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य आपत्तिजनक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए। ईडी के मुताबिक, इनसे अपराध से अर्जित रकम के मनी ट्रेल की जांच में मदद मिलने की उम्मीद है। मामले की जांच जारी है।

भारत ने रचा इतिहास

आर्टिफिशियल सन ट्रायल में पास, असली सूरज से 20 गुणा ज्यादा गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूरज का तापमान जिसे छूना तो दूर उसके पास जाने की सोचना भी नामुमकिन लगता है। हमारी धरती को जीवन देने वाले सूरज के कोर का तापमान लगभग 15 मिलियन डिग्री सेल्सियस होता है। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत के वैज्ञानिकों ने धरती के एक प्रयोगशाला के अंदर सूरज के केंद्र से भी 20 गुना ज्यादा तापमान पैदा कर दिखाया। जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना है। 200 मिलियन डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा का तापमान। और अब भारत के इसी आर्टिफिशियल सन यानी कि

न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर से जुड़ी हुई ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिक समुदाय में हलचल मचा दी। गुजरात के गांधीनगर में स्थित इंडियन इंस्टट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च यानी आईपीआर ने भारत के सबसे शक्तिशाली रिएक्टर एसएसटी वन मेक विशालकाय और बेहद एडवांस 82.6 गीगाहर्ट्ज जाइट्रॉन को सफलतापूर्वक इंस्टॉल और इंटीग्रेट कर दिया है। अगर न्यूक्लियर फीज की हम बात करें तो भारत इस क्षेत्र में पहले ही बहुत मजबूत है। देश भर में 24 से ज्यादा एक्टिव और ऑपरेशनल न्यूक्लियर पावर रिएक्टर्स दिनरा बिजली पैदा कर रहे हैं।

ओमान के तट पर तेल टैंकर में हमले के बाद भारतीय नाविक लापता, 13 की बची जान

ओमान (एजेंसी)। ओमान के तट पर पनामा के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हमले के बाद से उस पर सवार एक भारतीय नाविक लापता है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की निंदा की है और कहा है कि MT El Gaia के बाकी 13 भारतीय क्रू सदस्यों को बचा लिया गया है। लापता भारतीय नागरिक की खोज और बचाव अभियान जारी है। भारत ने भारतीय नाविकों को बचाने में मदद के लिए ओमान के अधिकारियों का धन्यवाद किया।

मंत्रालय ने कहा, 'हम आज ओमान के तट पर व्यापारिक जहाज MT El Gaia पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज पर सवार 14 भारतीय क्रू सदस्यों में से 13 भारतीयों को अब तक बचा लिया गया है। लापता भारतीय नागरिक की खोज और बचाव अभियान जारी है।

एयर इंडिया को सात दिन में जवाब देने का नोटिस

एयरपोर्ट पर बड़ी सुरक्षा चूक, बिना जांच के म्यूनिख रवाना हुए तीन इतालवी नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक सामने आई है। तीन इतालवी नागरिक बिना अनिवार्य आव्रजन जांच कराए ही लुफ्थांसा की उड़ान से म्यूनिख रवाना हो गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है।

घटना 4 सितंबर की सुबह की है। तीनों यात्री अमृतसर से एयर इंडिया की उड़ान एआई-1115 से रात करीब 12:50 बजे दिल्ली पहुंचे थे। करीब एक घंटे बाद, 1:45 बजे वे लुफ्थांसा की उड़ान एलएच-763 से म्यूनिख के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने भारत से बाहर जाने के लिए जरूरी आव्रजन जांच नहीं कराई। तीनों यात्री एयर इंडिया की 'हब और शाखा' व्यवस्था के तहत अमृतसर से दिल्ली पहुंचे थे। अमृतसर में उन्हें दिल्ली के लिए घरेलू यात्री वाला 'डी' श्रेणी का बोर्डिंग पास दिया गया था। साथ ही म्यूनिख जाने वाली लुफ्थांसा की उड़ान का बोर्डिंग पास भी जारी किया गया था। मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली पहुंचने के बाद इन यात्रियों की पहचान अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले यात्रियों के रूप में कर उन्हें उचित आव्रजन जांच प्रक्रिया से गुजरना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यात्रियों को गेट संख्या 39 से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के स्थानांतरण क्षेत्र में भेज दिया गया और वे आव्रजन जांच बिंदु तक पहुंचे बिना ही लुफ्थांसा की उड़ान में सवार हो गए। मंत्रालय ने यात्रियों को अतिरिक्त बोर्डिंग पास जारी किए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया है।

गुरुग्राम में कारगिल वॉर हीरो पर पार्किंग अटेंडेंट ने किया रॉड से हमला

गुरूग्राम (एजेंसी)।

हरियाणा के गुरुग्राम से एक बेहद ही हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। गुरुग्राम के सेक्टर-65 में पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी पर लोहे की रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि एक बिजनेस पार्क के अज्ञात पार्किंग अटेंडेंट के खिलाफ सोमवार को मामला दर्ज किया गया है।

पीड़ित अमित कुमार गुप्ता भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन हैं। वह कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के ऑपरेशन सफेद सागर का हिस्सा रह चुके हैं। हमले में उन्हें कई जगह फ्रैक्चर हुए हैं और फिलहाल एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि वह 10 सितंबर को अपने परिवार के साथ सेक्टर-65 स्थित मैग्नम ग्लोबल पार्क के एक रेस्टोरेंट में डिनर करने गए थे। इसी दौरान पार्किंग को लेकर उनका वहां मौजूद एक कर्मचारी से विवाद हो गया।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी सौगात, अब हिन्दी में आएगा फैसले का सारांश और ऑडियो-वीडियो बुलेटिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी दिवस यानी 14 सितंबर के मौके पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने देशवासियों को बड़ी सौगात दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब हिंदी में एक नई पब्लिक इन्फॉर्मेशन सर्विस (जन-सूचना सेवा) शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत, चुने हुए अहम फैसलों और आदेशों का आसान हिंदी सारांश उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, मुख्य फैसलों को समझाने के लिए रोज़ाना 15-30 मिनट के ऑडियो और वीडियो बुलेटिन भी जारी किए जाएंगे। हिंदी दिवस पर घोषित इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसलों और उनके असर को आम नागरिकों और मुकदमेबाजों तक आसानी से पहुंचाना है, खासकर उन लोगों तक जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में मुश्किल होती है। एक प्रेस बयान में कहा गया है कि जरूरी इंतजाम पूरे होने के बाद जल्द ही यह हिंदी सेवा

शुरू कर दी जाएगी। हर सारांश के साथ संबंधित आधिकारिक फैसले या आदेश का लिंक भी दिया जाएगा, ताकि यूज़र्स कोर्ट के असली दस्तावेज तक पहुंच सकें। ऑडियो और वीडियो बुलेटिन का मकसद अहम फैसलों, उनके असर और उनसे जुड़ी आगे की कार्रवाई को समझने का आसान जरिया उपलब्ध कराना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस पहल से दिव्यांग लोगों को भी फायदा होगा। शीर्ष अदालत ने न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से हिंदी में नई 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की ये घोषणा की है। विज्ञप्ति के अनुसार, ''इसका उद्देश्य न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाना और भारतीय भाषाओं को दिए जाने वाले सम्मान को न्यायिक सूचनाओं के सार्वजनिक प्रसार से जोड़ना है।

सरल भाषा के साथ ऑडियो और वीडियो प्रारूप का इस्तेमाल उन लोगों के लिए भी उपयोगी होगा, जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में कठिनाई होती है।'' यह सेवा शुरुआत में हिंदी में उपलब्ध होगी और जल्द ही चरणबद्ध तरीके से इसे अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के लिए काम शुरू किया जाएगा।

इस पहल का मकसद क्या?

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस पहल का मकसद भारतीय भाषाओं के सम्मान और पहचान को न्यायिक जन-सूचना से जोड़ना और न्याय तक पहुँच को और आसान बनाने के व्यापक लक्ष्य को आगे बढ़ाना भी है। साथ ही यह पहल देश के विभिन्न भाषाई क्षेत्रों के नागरिकों को उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसलों से जुड़ी संक्षिप्त और आसानी से समझ आने वाली जानकारी अपनी-अपनी भाषाओं में हासिल करने में सक्षम बनाएगी।

लाल सागर में हूतियों की बढ़त ने बदला खेल, सऊदी अरब परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। यमन के ईरान समर्थित हूती लड़ाकों ने लाल सागर के किनारे कुछ अहम द्वीपों पर कब्जा कर लिया है। इससे सऊदी अरब के लिए इस रास्ते से माल भेजना और मुश्किल हो गया है। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि हूतियों ने दक्षिणी लाल सागर में ग्रेटर हनीश और लेसर हनीश द्वीपों पर कब्जा कर लिया है। इन द्वीपों पर कब्जे से उन्हें समुद्री जहाजों के रास्ते पर ज्यादा नियंत्रण मिल जाएगा।

न्यूज एजेंसी एपी ने दो सरकारी अधिकारियों और एक हूती अधिकारी के हवाले से बताया कि सऊदी समर्थित यमन सरकार से जुड़े सैकड़ों लड़ाके इन द्वीपों से पीछे हट गए। इसके बाद हूतियों ने वहां कब्जा कर लिया। यह घटना उस वक्त हुई, जब सरकारी सेना ने बाब अल-मंडेब स्ट्रेट के पास हूतियों की बढ़त रोकने और उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश कर रहे थे। बाब अल-मंडेब एक महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। इसे होर्मुज स्ट्रेट का विकल्प भी माना जाता है।

बिहार के बाढ़ पीड़ित परिवारों को सीएम सम्राट देंगे राहत, डीबीटी से खाते में जाएंगे सात-सात हजार

पटना (एजेंसी)।

बिहार सरकार ने राज्य के बाढ़ पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को बाढ़ पीड़ित हरेक परिवार को सात-सात हजार रुपए उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांरित करेंगे। इसके लिए आपदा प्रबंधन विभाग ने सोमवार की देर शाम तक जिलों से आठ लाख 27 हजार 472 परिवारों की पूरी विवरणी मंगा ली है। इन परिवारों को 579.23 करोड़ अनुग्रह सहायता के तौर दिए जाएंगे। हालांकि मंगलवार की सुबह तक ऐसे परिवारों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इस राशि से उन्हें तबाही से थोड़ी राहत मिलेगी।

इस वर्ष गंगा, गंडक, कोसी, पुनपुन आदि नदियों में आई बाढ़ से 15 जिलों की 88 प्रखंडों में 575 ग्राम पंचायतों की लगभग 49.36 लाख आबादी बाढ़ से किसी न किसी रूप में प्रभावित है। इन जिलों में पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा एवं अरवल शामिल है। प्रभावित परिवारों को इस वर्ष की बाढ़ में पहली बार सात-सात हजार की नकदी सहायता दी जा रही है। इस बीच, केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर भागलपुर के सुल्तानगंज में घट रहा है, लेकिन बलतारा एवं कुरसेला में कोसी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक के अलावा पटना के दीघा घाट, गांधीघाट, हाथीदह तथा भागलपुर, कहलगांव एवं मुंगेर में गंगा, श्रीपालपुर में पुनपुन, बेनीबाद में बागमती और दरौली में घाघरा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए विभिन्न प्रभावित जिलों में 1260 सामुदायिक रसोई का संचालन किया जा रहा है। इनके माध्यम से अब तक लगभग 1.19 करोड़ लोगों को सुबह-शाम का भोजन कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 13 राहत शिविर स्थापित किए गए है। गांवों में बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब जलजनित बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोग बुखार, टायफायड, चर्म रोग और फंगल इंफेक्शन के शिकार हो रहे हैं। राहत शिविरों में बड़ी संख्या में पीड़ित मरीज पहुंच रहे हैं। सबसे ज्यादा हाथ और पैर में लाल चकत्ते से लोग आक्रांत हैं। अधिकतर चापाकल पानी में डूबे हैं और इससे स्वच्छ पेयजल बड़ी चुनौती बनी हुई है। बिहार के कई जिलों में बाढ़ का पानी घटने लगा है। लेकिन, तबाही कम नहीं हुई है। नदियों के किनारे तेजी से कटाव शुरू हो गया है। जिन घरों में बाढ़ का पानी धुस गया उनकी फिर से मरम्मति बड़ी समस्या है। लाखों परिवारों का सबकुछ बाढ़ में बह गया या खराब हो गया।

यूपी में चार बेटों ने मां-बाप को बांट लिया

अब 80 साल की माता ने पिता से मांग लिया तलाक

बुलंदशहर (एजेंसी)। 2003 में आई फिल्म बागबान तो आपको याद ही होगी। इसमें स्वाभिमान पिता का किरदार निभा रहे अमिताभ बच्चन के बेटे अपने ही मां-बाप का बंटवार कर देते हैं। ठीक ऐसा ही एक मामला यूपी के बुलंदशहर से सामने आया है, जिसमें रिश्तों को ही शर्मसार करके रख दिया है। जिन बेटों को माता-पिता ने पाल-पोशकर बड़ा किया, आज उन्हीं बेटों ने अपने ही माता-पिता का बंटवारा कर डाला।

उम्र की जिस दहलीज पर माता-पिता का उनके बेटों ने बंटवारा किया, वह आसान नहीं था। चार बेटों ने बुजुर्ग मां-बाप को आपस में बांट तो लिया, लेकिन इस अलगाव ने उनके माता-पिता के 60 साल से भी ज्यादा पुराने दांपत्य जीवन में इस कदर दरार डाल दी कि 80 साल की उम्र में वृद्धा ने अपने पति से तलाक मांग लिया। यह कहानी है सिकंदराबाद क्षेत्र के एक गांव निवासी 85 वर्षीय बुजुर्ग और उनकी 80 वर्षीय पत्नी की। उनके चार बेटे हैं। जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर जब दोनों को एक-दूसरे के सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब बेटों ने 'बागबान' फिल्म की तर्ज पर उनका बंटवारा कर दिया। दो बेटों ने मां को अपने पास रख लिया और दो ने पिता को। अलग-अलग घरों में रहने की मजबूरी के दौरान बुजुर्ग दंपति के बीच दूरियां और गलतफहमियां बढ़ती गईं। इस अलगाव ने कड़वाहट का रूप ले लिया। दोनों के बीच फोन और मुलाकातों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि 80 वर्षीय वृद्धा ने पुलिस की चौखट पर दस्तक देकर सीधे तलाक की मांग कर दी। 85 साल के पति से इस उम्र में अलग होने की अर्जी देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए।

बिहार में बाढ़ से क्षति देखने 16 सितंबर को आएंगे शिवराज, सम्राट ने दी केंद्रीय टीम पर अपडेट

पटना (संवाददाता)। बिहार में आई बाढ़ से राज्य के 15 से ज्यादा जिले प्रभावित हैं। राज्य सरकार का दावा है कि वो बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत और बचाव कार्य जोर शोर से चला रही है। हालांकि, इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा था कि बिहार में बाढ़ से हाहाकार हैं और केंद्र सरकार बिहार को मदद नहीं दे रही। लेकिन अब राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने साफ किया है कि केंद्र सरकार राज्य में आई बाढ़ को लेकर चिंतित और गंभीर है। सोमवार को पटना स्थित अधिवेशन भवन में आयोजित हिन्दी दिवस समारोह में सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में आई बाढ़ से क्षति का आकलन करने के लिए 16 सितंबर को केंद्रीय टीम बिहार आएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में यह टीम बिहार आएगी। सीएम ने कहा कि खुद देश के गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें फोन पर यह जानकारी दी है।

बता दें कि बिहार में पिछले चार-पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 15 जिलों में 49.36 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, और कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया जिलों के 88 प्रखंडों की 575 ग्राम पंचायतों के 49.36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। एक अधिकारी ने बताया कि लगातार वर्षा तथा नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण राज्य की कई नदियों और जलधाराओं का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है।

डीएमडी के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, सोमवार सुबह छह बजे भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.21 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 1.71 मीटर ऊपर है। हालांकि यहां जलस्तर में गिरावट का रुख है। बुलेटिन के अनुसार, बलतारा और कुरसेला में कोसी नदी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक नदी, दीघा, गांधी घाट, हथीदह, भागलपुर, कहलगांव और मुंगेर में गंगा नदी, श्रीपालपुर में पुनपुन नदी, बेनीबाद में बागमती नदी तथा दरौली में घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। डीएमडी ने बताया कि बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय और अररिया शामिल हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा 1,260 सामुदायिक रसोई चलाई जा रही हैं तथा 13 राहत शिविर संचालित हैं। इन शिविरों में लगभग 11,060 लोगों के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। विभाग के अनुसार, अब तक प्रभावित लोगों के बीच 3.95 लाख पॉलीथीन शीट, 73,100 सूखा राशन पैकेट और 1,400 खाद्य पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। बचाव एवं आवागमन के लिए 1,596 नावें तैनात की गई हैं। इसके अलावा 13,121 क्विंटल पशु चारा भी वितरित किया गया है।

डीएमडी ने बताया कि सोमवार सुबह 10 बजे वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बैराज से 90,600 क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें बढ़ोतरी का रुख है। वीरपुर स्थित कोसी बैराज पर 1,51,015 क्यूसेक जलप्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें गिरावट का रुख है। इस वर्ष 20 जुलाई को यहां अधिकतम 2,55,425 क्यूसेक प्रवाह दर्ज किया गया था। इंद्रपुरी स्थित सोन बैराज पर 53,459 क्यूसेक जलप्रवाह दर्ज किया गया, जिसमें बढ़ोतरी हो रही है।संभावित बाढ़ और राहत एवं बचाव कार्यों को तेज करने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में एसडीआरएफ की 27 तथा एनडीआरएफ की 10 टीमें तैनात की गई हैं।

तेजस्वी यादव ने लगाया था यह आरोप

इससे पहले तेजस्वी यादव ने कहा था कि केंद्र में बिहार से 7 बेगैरत मंत्री है लेकिन एक की भी हैसियत नहीं कि बिहार की बाढ़ पर केंद्र सरकार से बिहार की कोई मदद करा सके। बिहार से केंद्र में एक भेड़-बकरी मंत्री है, एक कपड़ा मंत्री है, एक गेंहू-चावल मंत्री है, एक छोटा-मोटा कछु लघु मंत्री है, बाक़ी सब पिछलग्गू मंत्री है। पहले बिहार के केंद्रीय मंत्रियों का रुतबा होता था अब तो सब फुस्स फुलझड़ी है। बिहार में बाढ़ से हाहाकार है। 50 से अधिक लोग मरे है। हज़ारों करोड़ का नुकसान हुआ है, 45 लाख लोग प्रभावित है लेकिन मदद तो दूर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री के मुँह से एक शब्द नहीं निकला है।

मुजफ्फरपुर के भगवानपुर चौक पर गणपति की भव्य स्थापना, गणेश चतुर्दशी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भगवान गणेश के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

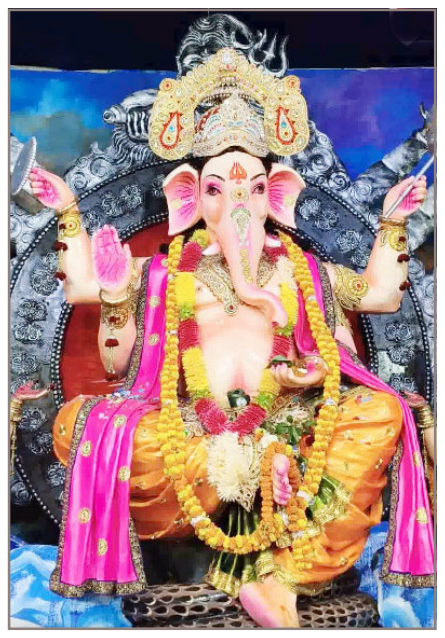

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। गणेश चतुर्दशी के अवसर पर सोमवार को मुजफ्फरपुर के भगवानपुर चौक पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की गई। मूर्ति स्थापना के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। धार्मिक आयोजन के कारण भगवानपुर चौक का माहौल भक्तिमय नजर आया।

गणपति की मूर्ति स्थापना के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और उनके दर्शन किए। इस दौरान आसपास का वातावरण धार्मिक उत्साह से भर गया। गणेश चतुर्दशी के मौके पर आयोजित इस पूजा में स्थानीय लोगों की भागीदारी देखने को मिली।

भगवानपुर चौक पर गणपति की मूर्ति स्थापित किए जाने के साथ ही श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। बड़ी संख्या में लोग पूजा स्थल पर पहुंचे और भगवान गणेश के समक्ष श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। गणेश चतुर्दशी भगवान गणेश की आराधना का प्रमुख अवसर माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना करते हैं। इसी धार्मिक भावना के साथ भगवानपुर चौक पर भी गणपति की मूर्ति स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई।

मूर्ति स्थापना के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने से भगवानपुर चौक पर धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने आयोजन में भाग लेकर भगवान गणेश के दर्शन किए। पूजा स्थल पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में भगवान गणेश के प्रति आस्था और भक्ति दिखाई दी। सोमवार को हुए इस आयोजन के दौरान भगवान गणेश की मूर्ति के समक्ष विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने पूजा में शामिल होकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। गणेश चतुर्दशी के मौके पर हुए इस धार्मिक आयोजन ने क्षेत्र के वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। भगवानपुर चौक पर गणपति की स्थापना धार्मिक आयोजन के साथ-साथ स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए आस्था और उत्साह का अवसर भी बनी। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से पूजा स्थल पर चहल-पहल रही। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ भगवान गणेश की पूजा की और उनके दर्शन किए। गणेश चतुर्दशी के मौके पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना के साथ शुरू हुआ यह आयोजन श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। पूजा-अर्चना में शामिल लोगों ने भक्ति भाव के साथ भगवान गणेश की आराधना की। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक वातावरण बना रहा।

अमित शाह के यूसीसी ऐलान पर बिहार में बवंडर

एलजेपी-आरवी का सपोर्ट आरजेडी-कांग्रेस मजा ले रही

पटना (संवाददाता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के यूसीसी वाले बयान पर बिहार में सियासी फसाद मच गया है। उन्होंने कहा है कि 2029 तक सभी 21 बीजेपी-एनडीए की सरकार वाले राज्यों में यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून को लागू किया जाएगा। सत्ताधारी एनडीए के घटक दलों के बीच इस पर मतभेद सामने आ रहे हैं। चिराग पासवान की पार्टी लोजपा आरवी [illegible] कदम बताते हुए विपक्षी दल [illegible] में लागू कराना चाहिए तो जद [illegible] में यूसीसी लागू होने का विरो[illegible] महागठबंधन के घटक राजद और कांग्रेस पार्टी एनडीए को टारगेट कर रहे हैं।

बीजेपी बहुत पहले से यूनिफॉर्म सिविल कोड की वकालत कर रही है। पार्टी के चाणक्य और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीजेपी शासित राज्यों में इसे अगले दो-तीन सालों में लागू करने अपनी मंशा जाहिर कर दिया। उनके इस ऐलान का बिहार भाजपा और लोजपा आरवी ने समर्थन किया है। चिराग पासवान की पार्टी के प्रवक्ता विनीत सिंह ने कहा है कि संविधान भी देश में एक समान कानून की बात कहता है। ऐसे में गृह मंत्री जी की यह घोषणा स्वागत योग्य कदम है। इस कानून को ना सिर्फ एनडीए की सरकार वाले राज्यों में ही लागू कराया जाए बल्कि, उन राज्यों में लागू होना चाहिए जहां विपक्षी दलों की सरकार है। इससे देश में एकरूपता और समानता की भावना बढ़ेगी।

इससे पहले जदयू के दिग्गज विधायक और पूर्व मंत्री श्याम रजक ने बिहार में यूसीसी लागू होने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जब इस बिल को संसद में लाया गया था तब हमारी पार्टी ने समर्थन किया। लेकिन, हमारे नेता ने तब ही स्पष्ट कर दिया था कि बिहार में इसे लागू नहीं किया जाएगा। उस समय नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे। आज बीजेपी से सम्राट चौधरी भले ही सीएम हों पर सरकार को एनडीए की ही है। बिहार में यूसीसी किसी कीमत पर लागू नहीं होगा।

इधर राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने बयान दिया है कि बीजेपी के ऐलान का जदयू ने ही विरोध किया है। यूसीसी से बीजेपी के एजेंडे की राजनीति को आगे बढ़ाने जैसा है। इससे सभी धर्मों के लोग प्रभावित होंगे। इससे संविधान और संवैधानिक अधिकारों को कमजोर होगा। कांग्रेस प्रवक्ता असीतनाथ तिवारी ने कहा है कि देश के कई राज्य भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। उन राज्यों की परेशान जनता को मदद की जरूरत है। ऐसे में यूसीसी का राग अलापना हसुआ के बियाह में खुरपी का गीत गाने जैसा है। देश के नेता पहले जनता की सुख सुविधाओं का ख्याल रखें और यूसीसी का ढोल पीटना बंद करें।

चिराग पासवान ने यूसीसी पर नहीं खोला पत्ता, कहा ड्राफ्ट सामने आने पर स्टैंड बताएगी लोजपा-आर

पटना (संवाददाता)। बिहार में यूनिफॉर्म सिविल कोड(यूसीसी) लागू करने पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी पार्टी का पत्ता नहीं खोला है। उन्होंने कहा है कि यूसीसी का ड्राफ्ट सार्वजनिक किए जाने के बाद विस्तार से चर्चा और समीक्षा करते हुए लोजपा आर अपना स्टैंड जाहिर करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि बीजेपी या एनडीए सरकार वाले 21 राज्यों में 2029 से पहले समान नागरिक संहिता लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। शाह के इस बयान पर सियासत सुलग गई है। बिहार और केंद्र सरकार में बीजेपी की सहयोगी दल जदयू ने विरोध जता दिया है। राजद और कांग्रेस ने भी इसे गैर जरूरी और एक वर्ग विशेष के खिलाफ बताया है।

लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय सरकार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करके अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर अभी अपना विचार नहीं रखेगी। पार्टी व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही अपना मत रखेगी। उन्होंने कहा कि भारत का सामाजिक ताना-बाना विविधतापूर्ण है। हर वर्ग की अपनी नागरिक परंपराएं और रीति-रिवाज हैं। संविधान ने स्वयं इसे स्वीकार किया है।

चिराग पासवान ने कहा कि संविधान की पांचवीं-छठी अनुसूची, अनुच्छेद 371ए व 371जी, और अब तक की हर संहिता में अनुसूचित जनजातियों को दी गई छूट इसका प्रमाण है। उनकी पार्टी लोजपा (रामविलास) समानता और विविधता -दोनों के प्रति प्रतिबद्ध है। पहले यूसीसी का ड्राफ्ट सार्वजनिक हो, सभी हितधारकों के हितों का अवलोकन हो, व्यापक विचार-विमर्श हो, उसके बाद सभी स्थितियों का अवलोकन पार्टी अपना मत रखेगी।

इससे पहले जदयू ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया। पार्टी के दिग्गज विधायक और पूर्व मंत्री श्याम रजक ने दो टूक शब्दों में कहा कि जदयू बिहार में इसे कभी लागू नहीं होने देगी।

क्या है यूसीसी?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में ऐलान किया कि देश के 21 राज्यों में भाजपा और भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकारें 2029 से पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेंगी। समान नागरिक संहिता का अर्थ है एक देश, एक कानून। इसमें विवाह और तलाक, उत्तराधिकार और संपत्ति बंटवारा, गोद लेना, भरण-पोषण, वसीयत, पारिवारिक अधिकार से जुड़े विषयों पर सभी के लिए एक जैसा कानून होता है। अभी भारत में आपराधिक मामलों के लिए तो एक ही कानून है, लेकिन सिविल मामलों में धर्मों के अपने पर्सनल लॉ लागू होते हैं।

बिहार दारोगा परीक्षा: ज्यादा रिजल्ट वाले 20 परीक्षा केंद्र रडार पर

पूर्णिया (संवाददाता)। बिहार दारोगा बहाली परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की जांच के क्रम में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की एसआईटी ने बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग से कई बिंदुओं पर जवाब मांगा है। ईओयू ने परीक्षार्थियों के अनुपात में सर्वाधिक रिजल्ट देने वाले टॉप 20 परीक्षा केंद्रों की सूची तलब की है। साथ ही ऐसे शीर्ष 20 परीक्षा केंद्रों से संबंधित ब्योरा भी मांगा है जहां के क्रमवार रोल नम्बर के अधिक विद्यार्थी सफल हुए हैं। इस संबंध में ईओयू ने बीपीएसएससी को तीन और आठ सितंबर को दो पत्र लिखे हैं। आयोग अब जवाब तैयार कर रहा है। ईओयू की एसआईटी ने आयोग से शिकायत वाले परीक्षा केंद्रों के वीडियो फुटेज भी मांगे हैं। इनमें पूर्णिया के साइबर थाना और गया जी के रामपुर थाना में दर्ज एफआईआर से संबंधित परीक्षा केंद्र के साथ ही छात्रों की आपत्ति वाले परीक्षा केंद्र भी शामिल हैं।

तीज की खुशियां मातम में बदलीं

खगड़िया में 2 सगे भाइयों की मौत; बड़े को बचाने में छोटा भी डूबा

परबत्ता (संवाददाता)। पूरा बिहार जहां तीज हरितालिका व्रत की खुशियां मना रहा था वहीं खगड़िया में 12 साल और 14 साल उम्र के दो सगे भाइयों की मौत से परिवार की खुशियां गम में बदल गईं। घटना परबत्ता थाना क्षेत्र के भरसो बंधकट्टा गांव की है। सोमवार को स्नान के दौरान डूबकर दोनों सगे भाइयों की मौत हो गई। मृतक कोलवारा पंचायत के तेलिया बथान गांव निवासी एतवारी मंडल का पुत्र गोविंद कुमार और जयजय कुमार बताए जा रहे हैं। एक परिवार के दो बच्चों की मौत से इलाके में मातमी सन्नाटा पसर गया है। बच्चों के परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है

स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को सुबह करीब 10 बजे तेलियाबथान गांव से आधा दर्जन से अधिक बच्चे साइकिल पर सवार होकर भरसो के बंधकट्टा के पास बाढ़ के पानी में स्नान करने गए थे। स्नान करने के दौरान जयजय कुमार अचानक डूबने लगा। अपने बड़े भाई क़ो डूबता देख छोटा भाई गोविंद ने बचाने के लिए छलांग लगा दी। दोनों भाई गहरे पानी में चले गए और बाढ़ के पानी में समा गए। जबतक उन्हें निकाला गया तबतक काफी देर हो चुकी थी।

उसी जगह स्नान कर रही महिलाओं जब बच्चों को डूबते देखा तो शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के लोग जुटे और बच्चों को निकालने की कवायद शुरू हुई। लोगों ने काफी द्वारा खोजबीन की लेकिन, किसी का पता नहीं चल सका। घटना की सूचना पर सीओ आपदा मित्र के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कुछ ही देर बाद दोनों भाइयों क़ो नदी से बाहर निकाला गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उस समय तक एक भाई गोविंद की सांस हल्की-हल्की चल रही थीं। आनन -फानन में सीओ और आपदा मित्र उसे इलाज के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे। लेकिन, डॉक्टर ने उसे जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही परबत्ता थाना पुलिस मौक़े पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों के शवों को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खगड़िया भेज दिया। एक साथ दो भाइयो की मौत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में कोहराम मच गया। गांव में हादसे को लेकर सन्नाटा पसरा हुआ है।

पटना में मुसलमानों से बोले प्रशांत किशोर

किसी राजनीतिक पार्टी का पिछलग्गू ना बनें, अपनी चिंता करें अल्पसंख्यक

पटना (संवाददाता)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को बिहार के मुसलमानों से राजनीति में अपने समुदाय के प्रतिनिधित्व की चिंता खुद करने और किसी भी पार्टी का पिछलग्गू बनने से बचने का आह्वान किया।बांकीपुर के विधायक किशोर ने राज्य की राजधानी पटना के मुस्लिम बहुल सब्जीबाग इलाके में एक अल्पसंख्यक सम्मेलन में यह बात कही। सब्जीबाग उनके विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। प्रशांत किशोर ने कहा, 'मैं इस अवसर पर हाल के उपचुनाव में आपके समर्थन के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। अब हमें अल्पसंख्यकों के लिए एक उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए, जिन्हें लोकतांत्रिक राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिलना ही चाहिए।'

प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि कहा जा रहा है कि उपचुनाव में शहर की मुस्लिम आबादी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बजाय प्रशांत किशोर की पार्टी (जन सुराज) के पक्ष में भारी मतदान किया है। अबतक सभी राजनीतिक दलों में राजद ही मुसलमानों की पहली पसंद हुआ करती थी। बांकीपुर उपचुनाव किशोर की पार्टी द्वारा लड़ा गया ऐसा पहला चुनाव था, जिसमें उसने जीत हासिल की। यह सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 1995 से लगातार जीत दर्ज करती आ रही थी। यह उपचुनाव पांच बार के विधायक रहे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद विधानसभा सीट छोड़ने के कारण जरूरी हो गया था। प्रशांत किशोर ने कहा, 'मैं बिहार के सभी सामाजिक वर्गों के लोगों से यह कहना चाहता हूं कि वे खुद को उनका हितैषी बताने वाले नेताओं के बहकावे में आने के बजाय अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करें। अल्पसंख्यकों से भी मेरा यही विशेष अनुरोध है कि उन्हें किसी भी राजनीतिक दल का पिछलग्गू बनने के बजाय, राजनीति में अपनी उचित हिस्सेदारी हासिल करने के लिए स्वयं संघर्ष करना चाहिए।''

संयोगवश, पूर्व चुनावी रणनीतिकार आधा दशक पहले राजनीति में कदम रखने के समय से ही अल्पसंख्यक समुदाय को रिझाने का प्रयास कर रहे हैं, जब उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) के तत्कालीन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला था। बता दें कि इस मुद्दे पर जद(यू) के अस्पष्ट रुख की आलोचना करने के कारण प्रशांत किशोर को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने खुद के राजनीतिक दल का गठन किया।हालांकि उनका यह दल पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में अपना कोई प्रभाव छोड़ने में पूरी तरह विफल रहा, जबकि उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों - महिलाओं, अल्पसंख्यकों और अत्यंत पिछड़े वर्गों को 'उचित प्रतिनिधित्व' देने का वादा किया था। किशोर ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि जन सुराज पार्टी विधान परिषद की उन सभी आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी जहां अगले महीने मतदान होना संभावित है।

अब पाटलिपुत्र स्टेशन पर रुकेगी दानापुर-जोगबनी वंदे भारत एक्सप्रेस

पटना (संवाददाता)। दानापुर-जोगबनी वंदे भारत एक्सप्रेस का पाटलिपुत्र जंक्शन स्टेशन पर ठहराव रविवार से शुरू हो गया। इससे पटना के पश्चिमी इलाके के यात्रियों को जोगबनी और आसपास के क्षेत्रों की यात्रा में बड़ी सुविधा मिलेगी। पाटलिपुत्र जंक्शन पर गाड़ी संख्या 26302 दानापुर-जोगबनी वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारंभ सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, सांसद रविशंकर प्रसाद और दीघा विधायक संजीव चौरसिया ने हरी झंडी दिखाकर किया। नई समय-सारणी के अनुसार दानापुर से जोगबनी जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शाम 5:21 बजे पाटलिपुत्र जंक्शन पहुंचेगी और 5:23 बजे आगे के लिए रवाना होगी। 14 सितंबर से जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 26301) का भी पाटलिपुत्र जंक्शन पर ठहराव होगा।

यह ट्रेन सुबह 11:11 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी और 11:13 बजे दानापुर के लिए रवाना होगी। पाटलिपुत्र स्टेशन पर वंदे भारत के ठहराव को लेकर स्थानीय यात्रियों में उत्साह देखा गया। इससे विशेष रूप से पटना पश्चिम क्षेत्र के लोगों को सुविधाजनक रेल यात्रा का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ सहित मंडल के अन्य अधिकारी और कर्मचारी, गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में यात्री उपस्थित रहे।

इधर विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले के दौरान गया जंक्शन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने की तैयारी की जा रही है। जंक्शन पर आरपीएफ, जीआरपी और आरपीएसएफ के चार सौ से अधिक जवानों की तैनाती की जाएगी। गया जंक्शन क्षेत्र को सेक्टर में बांटकर सुरक्षा बल के अधिकारी और जवान तीन शिफ्ट में मोर्चा संभालेंगे। भीड़ नियंत्रण के साथ यात्रियों की सुरक्षा, सहायता और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। गया जंक्शन के प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर सहायता बूथ बनाए जाएंगे। यहां तैनात जवान और कर्मी श्रद्धालुओं को ट्रेनों, प्लेटफॉर्म, निकास मार्ग, पूछताछ सहित अन्य जरूरी जानकारी उपलब्ध कराएंगे। किसी यात्री को परेशानी होने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था रहेगी। भीड़ के दबाव वाले स्थानों पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था में सादी वर्दी में महिला विंग 'मेरी सहेली' टीमें भी सक्रिय रहेंगी। ये टीमें उड़नदस्ता के रूप में प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में लगातार गश्त करेंगी। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ छेड़छाड़, चोरी, संदिग्ध गतिविधियों और अन्य घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार, रेल एसपी अनंत कुमार राय व वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर सुरक्षा व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह और रेल डीएसपी गुलशन कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा रेल थाना अध्यक्ष शिवकुमार तैयारियों में जुटे हैं।

गोपालगंज में हरितालिका तीज पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, शिव-पार्वती की पूजा कर मांगा अखंड सौभाग्य

पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना को लेकर महिलाओं ने विधि-विधान से की आराधना

गोपालगंज (संवाददाता)। हरितालिका तीज के अवसर पर सोमवार को गोपालगंज में सुहागिन महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ निर्जला व्रत रखा। व्रत रखने वाली महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने तीज व्रत की कथा सुनी और अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि तथा परिवार के मंगल की कामना की।

हरितालिका तीज को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। सुबह से ही व्रती महिलाएं व्रत की तैयारियों में जुटी रहीं। पूजा के निर्धारित समय पर महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की। मंदिरों के साथ-साथ घरों में भी पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना रहा।

सुहागिन महिलाओं ने हरितालिका तीज का निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। पूजा के दौरान महिलाओं ने विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की। इसके बाद तीज व्रत से जुड़ी कथा का श्रवण किया गया।

व्रती महिलाओं ने पूजा-अर्चना के दौरान अपने पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। इसके साथ ही परिवार में सुख-समृद्धि और मंगल की प्रार्थना की गई। महिलाओं के लिए यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ पारिवारिक मंगलकामना से भी जुड़ा रहा। गोपालगंज में हरितालिका तीज के मौके पर मंदिरों और घरों में विशेष धार्मिक वातावरण देखने को मिला। महिलाओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ पूजा की और भगवान शिव तथा माता पार्वती का आशीर्वाद मांगा। पूजा और कथा श्रवण के दौरान महिलाओं में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा।

हरितालिका तीज के अवसर पर निर्जला व्रत रखने वाली महिलाओं ने दिनभर व्रत के नियमों का पालन किया। शाम के समय पूजा-अर्चना और कथा श्रवण के लिए महिलाएं एकत्रित हुईं। पूजा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करते हुए परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की गई।

इस पर्व को लेकर घरों में भी विशेष तैयारी की गई। व्रती महिलाओं ने पूजा के लिए आवश्यक सामग्री जुटाई और पारंपरिक तरीके से शिव-पार्वती की पूजा की। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान महिलाओं ने कथा सुनी और अपने परिवार के लिए मंगल की कामना की।

हरितालिका तीज पर महिलाओं की आस्था और श्रद्धा का विशेष रूप देखने को मिला। निर्जला व्रत के बावजूद व्रती महिलाएं पूरे उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में शामिल हुईं। मंदिरों और घरों में पूजा के दौरान भक्ति का वातावरण बना रहा।

सोमवार को मनाए गए हरितालिका तीज पर्व के दौरान गोपालगंज में सुहागिन महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर अपने वैवाहिक जीवन की सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने पति की दीर्घायु के साथ परिवार के मंगल की भी प्रार्थना की।

बिहार में यूसीसी किसी कीमत पर लागू नहीं होगा, अमित शाह के ऐलान के बाद बोले जदयू एमएलए

पटना (संवाददाता)। अभी हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया था कि भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू होगा। लेकिन यूसीसी को लेकर बिहार में अब पेंच फंसता नजर आ रहा है। दरअसल बिहार में सरकार में सहयोगी जदयू की तरफ से कहा गया है कि बिहार में यूसीसी लागू करने का सवाल ही खड़ा नहीं होता है। जदयू के दिग्गज विधायक श्याम रजक ने कहा कि संसद में उनकी पार्टी यूसीसी का समर्थन किया था लेकिन यह भी कहा था कि इसे बिहार में लागू नहीं होने दिया जाएगा।

श्याम रजक ने कहा, 'जब संसद में यह पास हो रहा था तब हमने उसी समय कहा था और हमारे नेता ने कहा था कि इसको हम अपने राज्य में लागू नहीं होने देंगे। हमने उस बिल का समर्थ किया था। लेकिन समर्थन के साथ-साथ हमने कहा था कि बिहार में लागू नहीं होगा और आज तक हम उसी पर कायम हैं।' श्याम रजक ने आगे कहा कि बिहार में बीजेपी के मुख्यमंत्री हैं। लेकिन एनडीए का जो गठबंधन है उसमें जनता दल (यू), लोजपा (आर) और रालोमो सभी लोग मिलजुले हुए हैं। यहां स्वतंत्र सरकार नहीं है। श्याम रजक ने कहा कि किसी भी सूरत में इसके लागू होने का सवाल ही नहीं उठता है।

आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में ऐलान किया था कि देश के 21 राज्यों में भाजपा और भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकारें 2029 से पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेंगी। गृहमंत्री शाह ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पिछले 12 वर्षों के दौरान केंद्र की उपलब्धियों और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की 25 साल की यात्रा का जिक्र किया। इस दौरान शाह ने तीन तलाक, भारतीय न्याय संहिता समेत मोदी सरकार द्वारा लिए गए कई बड़े फैसलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भारतीय न्याय संहिता के जरिए देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत किया है। उन्होंने दावा किया कि कई राज्यों में एक ही वर्ष में सजा दिलाने की दर में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि एक ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है, जिससे यह तय हो सके कि पीड़ित को तीन साल के भीतर न्याय मिल सके।

बंगाल में बिहार, यूपी, झारखंड के छात्रों की पिटाई; विश्वकर्मा पूजा के विवाद में प्रिंसिपल भी घायल

गया जी (संवाददाता)। पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्द्धमान जिले स्थित यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज में विश्वकर्मा पूजा को लेकर बंगाली और गैर-बंगाली छात्रों के बीच मारपीट हो गई। घटना में गुरुआ प्रखंड के पचरुखिया गांव निवासी सौरभ सिंह, गया के अंकित सिंह समेत आधा दर्जन से अधिक छात्र घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज कराया जा रहा है। घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है। इस घटना में बीच बचाव करने प्रिंसिपल भी जख्मी हो गए। पूजा करने को लेकर विवाद बढ़ गया जिसमें बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के छात्रों को निशाना बनाया गया। इस मामले में कॉलेज प्रशासन की ओर से तीन नामजद के साथ 25 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

एफआईआर दर्ज, हॉस्टल खाली कराया गया

घटना के बाद कॉलेज प्रशासन की ओर से एक्शन लिया गया। मामले में तीन छात्रों को नामजद करते हुए 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। स्थिति को देखते हुए कॉलेज में कक्षाएं अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई हैं। हॉस्टल भी खाली करा दिया गया है। इसके बाद छात्र किराये के मकान में रहने को मजबूर हैं। घटना के बाद कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के बीच दहशत का माहौल है। इससे उनके घर वाले भी चिंतित हैं। कॉलेज प्रशासन और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल छात्रों की पढ़ाई बाधित हो गई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही उपद्रवियों को पकड़ लिया जाएगा ताकि कॉलेज में पठन पाठन का माहौल बहाल हो सके।

मारपीट में घायल छात्र सौरभ सिंह ने बताया कि वह कॉलेज में इंजीनियरिंग के चौथे वर्ष का छात्र है। गया के अंकित सिंह के अलावा उत्तर प्रदेश के जौनपुर निवासी अमन यादव और झारखंड के दुमका निवासी माधव सिंह समेत कई गैर-बंगाली छात्र कॉलेज में पढ़ते हैं। सौरभ का आरोप है कि कॉलेज परिसर में विश्वकर्मा पूजा के आयोजन को लेकर विवाद शुरू हुआ।

जानकारी मिल रही है कि बंगाली छात्रों ने गैर-बंगाली छात्रों को पूजा से दूर रहने की चेतावनी दी थी। दूसरे राज्यों के छात्र अगल पूजा करने की तैयारी कर रहे थे। इसके बावजूद छात्र पूजा के लिए प्राचार्य से अनुमति लेने की तैयारी कर रहे थे। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। बीच-बचाव करने पहुंचे कॉलेज के प्राचार्य के साथ भी बदसलूकी की गई और वे भी घायल हो गए।

कटिहार में चार विदेशी धराए

3 नाबालिग लड़कियों के साथ म्यांमार का नागरिक गिरफ्तार

कटिहार (संवाददाता)। बिहार के कटिहार रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की टीम ने म्यांमार मूल के चार विदेशी नागरिकों को पकड़ा। इनमें एक वयस्क पुरुष और तीन नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। पकड़े गए किसी के पास से वैध नागरिकता संबंधी दस्तावेज, पहचान पत्र या पासपोर्ट नहीं मिला। मामले में जीआरपी ने प्राथमिकी दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीनों नाबालिग लड़कियों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। पुलिस यह पड़ताल करने में जुट गई है कि ये लोग बगैर वैध दस्तावेज के कटिहार तक कैसे पहुंचे और कहां जाने वाले थे। बिहार आने का उनका मकसद क्या है, इसकी भी छानबीन की जा रही है।

मामले की जानकारी देते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर विक्रम कुमार ने बताया कि आरपीएफ पोस्ट ईस्ट की प्रशिक्षु दारोगा सारिका कुमारी के नेतृत्व में एएसआई वीके राय, कांस्टेबल प्रवीण और महिला कांस्टेबल एसके मीणा की टीम कटिहार स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर तैनात थी। इसी दौरान सेमापुर की ओर आने वाली ट्रेन संख्या 12505 कामाख्या-आनंद विहार सुपर फास्ट एक्सप्रेस के स्टेशन पर पहुंचने पर टीम ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर चार लोगों को पकड़ा। जांच के दौरान उनके पास से वैध पासपोर्ट, नागरिकता प्रमाण या अन्य कानूनी पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले तो चारों को रोक लिया गया। पूछताछ में उनके म्यांमार मूल के होने की बात सामने आने के बाद आरपीएफ ने चारों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी के हवाले कर दिया। आरपीएफ की ओर से इस संबंध में जीआरपी को लिखित शिकायत दी गई। इसके साथ ही जब्ती की कार्रवाई और मेडिकल जांच भी कराई गई।

लड़कियों को बाल कल्याण समिति को सौंपा

उन्होंने बताया कि मामले में मोहम्मद नूर को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं तीनों नाबालिग विदेशी लड़कियों को बाल संरक्षण से संबंधित प्रावधानों के तहत सीडब्ल्यूसी और जेजेबी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि आरपीएफ और जीआरपी अब यह पता लगाने में जुटी है कि चारों विदेशी नागरिक कटिहार तक कैसे पहुंचे, उनका गंतव्य कहां था और उन्हें यहां लाने या ले जाने में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं।

माहवारी की समस्या का इलाज कराने आई लड़की से डॉक्टर ने किया रेप

गंदा वीडियो बना ब्लैकमेल; पत्नी पर साथ देने का आरोप

शेखपुरा (संवाददाता)। बिहार के शेखपुरा जिले में एक झोलाछाप डॉक्टर पर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने का आरोप लगने के बाद पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया है। हैवान डॉक्टर की गिरफ्तारी के बाद अब कई नई बातें भी सामने आ रही हैं। अब शेखपुरा जिले के चेवाड़ा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में एक ग्रामीण चिकित्सक (झोलाछाप) द्वारा इलाज के नाम पर नाबालिग से दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने मामला के संज्ञान में आने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चिकित्सक विनोद कुमार सिंह को एक दिन पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन, अब उसकी पत्नी भी पुलिस के शक के दायरे में आ गई है। पीड़िता ने पुलिस के समक्ष दिए गए अपने बयान में आरोप लगाया है कि आरोपी की पत्नी को अपने पति की घृणित करतूत की जानकारी थी और वह इस अपराध में उसका सहयोग करती थी।

पीड़िता के इस बयान की पुष्टि करते हुए महिला थानाध्यक्ष रिशु कुमारी ने बताया कि पुलिस आरोपी की पत्नी की संलिप्तता की गहनता से जांच कर रही है। यदि जांच में आरोप सत्य पाए जाते हैं, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इधर, पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और यौन शोषण के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पीड़िता की मेडिकल जांच भी करा ली गई है। गौरतलब है कि छह माह पूर्व पीड़िता माहवारी की समस्या के इलाज के लिए आरोपी डॉक्टर के पास गई थी। आरोप है कि सलाइन चढ़ाने के दौरान उसे बेहोशी की दवा देकर दुष्कर्म किया गया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया गया। इसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार यौन शोषण कर रहा था।

केबिन में बुलाया, प्राइवेट पार्ट छूने लगे

सेक्स-प्रेग्नेंसी की बात कर छात्रा से गंदी हरकत, स्कूल में मचा बवाल

जमुई (संवाददाता)। बिहार के जमुई से एक प्राइवेट स्कूल में महापाप की खबर सामने आई है। स्कूल के डायरेक्टर पर हॉस्टल में रहने वाली 9वीं क्लास की छात्रा ने गंदी हरकत करने और सेक्स के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। स्कूल में परिजनों के हंगामे के बाद पहुंची पुलिस आरोपी डायरेक्टर को पकड़कर थाने पर ले गई। छात्रा के परिजनों ने कठोर कार्रवाई की मांग की है। आरोपी पर पहले भी छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। महिला पदाधिकारी पीड़िता से पूरी जानकारी ले रही हैं।

जमुई शहर स्थित एक निजी स्कूल के डायरेक्टर आशीष सिंह पर स्कूल के हॉस्टल में रहने वाली छात्रा के आरोप से बवाल मच गया। छात्रा के परिजनों को जब इसकी जानकारी मिली तो स्कूल में पहुंचकर जोरदार हंगामा और बवाल किया। बवाल देखकर आरोपी निदेशक छुप गए और छात्रावास के गेट पर ताला लगवा दिया। परिजनों से छात्रा के मिलने पर रोक लगवा दी। खुद डायरेक्टर ने भी परिवार के लोगों से मिलने से इनकार कर दिया। सूचना दिए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंची तब जाकर गेट खोला गया और छात्रा से उसके परिवार के लोगो मिल पाए। उसके बाद छात्रा ने आपबीती बताई तो लोगों का गुस्सा और भी भड़क गया।

छात्रा से मिली जानकारी के आधार पर परिजनों ने बताया कि शनिवार को निदेशक ने छात्रा को अनुशासनहीनता के आरोप में अपने केबिन में बुलाया। उस पर एक लड़के से बात करने की शिकायत की। इसी दौरान निदेशक ने उसे गले लगा लिया। बात करते हुए आरोपी ने छात्रा के साथ बैड टच किया। वह छात्रा के प्राइवेट पार्ट को छूने लगा। बात करते हुए सेक्स एजुकेशन और प्रेग्नेंसी की जानकारी देने लगा। छात्रा डर के मारे कुछ नहीं बोल रही थी। निदेशक ने उस पर यौन संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। जैसे तैसे बहाना बनाकर वह केबिन से निकली और छात्रावास में चली गई। रविवार को मामले की जानकारी मिलने पर परिजन स्कूल में पहुंचकर हंगामा किया। डायल 11 2 पुलिस के पहुंचने पर मामला शांत हुआ।

परिजनों ने बताया कि पूरे स्कूल में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं लेकिन, निदेशक के केबिन को सीसीटीवी से मुक्त रखा गया है। आरोपी निदेशक का आचरण सही नहीं है।

सिपाही बहाली के नाम पर उगाही का खेल, पटना से गिरोह के 5 शातिर अरेस्ट

पटना (संवाददाता)। बिहार पुलिस चालक सिपाही भर्ती में अभ्यर्थियों को सेटिंग के जरिए पास कराने वाले गिरोह का एयरपोर्ट थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरोह का मुख्य सरगना बिहारशरीफ निवासी अमित कुमार फरार है। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही पता चलेगा कि बहाली में पास कराने के नाम पर कितने अभ्यर्थियों से संपर्क किया गया और कितनी रकम की मांग या वसूली की गई। 10 सितंबर को दोपहर करीब तीन बजे एयरपोर्ट थाने की पुलिस को सूचना मिली कि वेटनरी कॉलेज मैदान में चालक सिपाही भर्ती का वाहन टेस्ट चल रहा है और अभ्यर्थियों को सेटिंग के जरिए पास कराने वाला गिरोह आसपास सक्रिय है।

वरीय अधिकारियों को सूचना देने के बाद पुलिस टीम वेटनरी कॉलेज मैदान की ओर बढ़ी। वहां एक क्रेटा कार में सवार तीन युवक पुलिस को देखकर सकपका गए। पूछताछ और तलाशी में कार से अखबार में लपेटकर रखा गया मैट्रिक और इंटर का मूल अंकपत्र/प्रमाणपत्र मिला, जो गुलशन कुमार के नाम पर था। पुलिस ने कार सवार दिनेश कुमार (26) मानपुर भीमनगर, गया, प्रदीप कुमार (26), निर्मल बिगहा, औरंगाबाद और कल्याण सिंह यादव (30), श्रीपुर, जहानाबाद को पकड़ा। पूछताछ में दिनेश ने बताया कि अमित कुमार चालक सिपाही भर्ती में पास कराने की सेटिंग करता था। इसके लिए अभ्यर्थी के मैट्रिक-इंटर के मूल प्रमाणपत्र लिए जाते थे। कितनी रकम देनी होगी, यह बाद में तय होना था। इसी क्रम में गुलशन ने अपने मूल प्रमाणपत्र

दिए थे। चालक सिपाही भर्ती के नाम पर उगाही करने वाले गिरोह के बारे में पुलिस को कई अहम साक्ष्य हाथ लगे हैं। पुलिस के मुताबिक, गुलशन कुमार ने 10 दिसंबर 2025 को औरंगाबाद में चालक सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा दी थी। आरोप है कि उसे सेटिंग के जरिए पास कराने की बात इसी दौरान तय हुई। इसके बाद 9 सितंबर को उसका वाहन टेस्ट वेटनरी कॉलेज मैदान में हुआ। पुलिस के अनुसार, टेस्ट के बाद रकम के लेनदेन को लेकर मुलाकात की तैयारी थी। दिनेश ने पुलिस को बताया कि गुलशन कुछ ही देर में एक साथी के साथ वहां आने वाला है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने गुलशन कुमार (23), रेपुरा, थाना सीतामढ़ी, नवादा और अमित कुमार (32), हाजीपुर बिलौर, थाना बाढ़, पटना को पकड़ा। दिनेश और गुलशन के मोबाइल की जांच में व्हाट्सएप बातचीत मिली।

मुख्य सरगना फरार

एयरपोर्ट थानेदार ने बताया कि गिरफ्तार सभी पांच आरोपितों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। बिहारशरीफ निवासी अमित कुमार मुख्य वांटेड है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उसके पकड़े जाने के बाद यह सामने आएगा कि एक अभ्यर्थी को बहाली में पास कराने के लिए कितनी रकम ली जाती थी और इस नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं। पुलिस अन्य संभावित अभ्यर्थियों और गिरोह के संपर्कों की भी जांच कर रही है।

ईओयू ने डीटीओ ऑफिस के बड़ा बाबू को गिरफ्तार किया

नवादा (संवाददाता)। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) पटना की टीम ने एक हाईप्रोफाइल मामले में नवादा के जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) के प्रधान लिपिक कन्हैया लाल को कार्यालय परिसर से गिरफ्तार कर लिया। कन्हैया लाल पर आपराधिक षडयंत्र कर फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। मामला गोपालगंज डीटीओ ऑफिस से 2021 से जुड़ा बताया जाता है। कन्हैया लाल उस वक्त गोपालगंज डीटीओ ऑफिस में लिपिक के पद पर कार्यरत थे। वह पटना के बेऊर थाने के सिपाराडीह के रामाकांत प्रसाद के पुत्र हैं। कन्हैया लाल पर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के वीसी के ड्राइवर राधेश्याम सिंह की चोरी गयी स्कॉर्पियो का रजिस्ट्रेशन फर्जी तरीके से दूसरे के नाम पर ट्रांसफर करने के आरोप है।

आरा के रमना मैदान में गणेश पूजा का भव्य आयोजन, हनुमान मंदिर के पास स्थापित हुई गणपति की प्रतिमा

गणेश चतुर्दशी पर विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना, श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान गणेश की आराधना की

भोजपुर (संवाददाता)। गणेश चतुर्दशी के अवसर पर सोमवार को भोजपुर जिले के आरा स्थित रमना मैदान में गणेश पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर हनुमान मंदिर के पास भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पूजा आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। गणेश प्रतिमा की स्थापना के बाद पूजा-अर्चना की प्रक्रिया शुरू हुई। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश की आराधना की और पूजा में शामिल होकर आशीर्वाद लिया। रमना मैदान में हनुमान मंदिर के पास गणेश प्रतिमा स्थापित होने के कारण पूजा स्थल पर धार्मिक वातावरण बना रहा।

गणेश चतुर्दशी के मौके पर आयोजित इस पूजा में श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। पूजा के दौरान विधि-विधान का पालन करते हुए भगवान गणेश की आराधना की गई। श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ पूजा स्थल पर पहुंचे और गणपति के दर्शन किए।

रमना मैदान आरा शहर का प्रमुख स्थल है, जहां गणेश पूजा के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। हनुमान मंदिर के पास गणेश प्रतिमा स्थापित किए जाने के बाद पूजा स्थल पर चहल-पहल बढ़ गई। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की

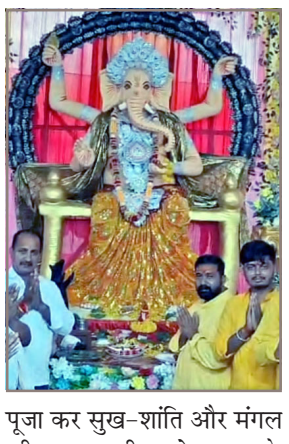

पूजा कर सुख-शांति और मंगल की कामना की। गणेश पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश का स्मरण किया। प्रतिमा के समक्ष विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान पूजा स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन किए और अपनी श्रद्धा अर्पित की।

गणेश चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित पूजा को लेकर धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित होने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में भाग लिया। हनुमान मंदिर के पास गणेश प्रतिमा की स्थापना से पूजा स्थल पर भक्ति का वातावरण दिखाई दिया। भगवान गणेश की पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से आराधना की। पूजा में शामिल लोगों ने गणपति के समक्ष अपनी श्रद्धा अर्पित की। आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था से जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

आरा के रमना मैदान में गणेश पूजा का यह आयोजन गणेश चतुर्दशी के अवसर पर किया गया। हनुमान मंदिर के पास स्थापित गणेश प्रतिमा के समक्ष विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई गई। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। गणेश चतुर्दशी के अवसर पर शहर में धार्मिक उत्साह के बीच भगवान गणेश की आराधना की गई। रमना मैदान में आयोजित पूजा में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ हिस्सा लिया। प्रतिमा स्थापना के बाद पूजा स्थल पर भगवान गणेश के दर्शन और आराधना का क्रम बना रहा।

पति ने मंदिर में प्रेमी से करवाई पत्नी की शादी, बोला तुम खुश रहो

साहिबगंज (एजेंसी)।

झारखंड के साहिबगंज जिले में एक अनोखा प्रेम विवाह चर्चा का विषय बना हुआ है। मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ 8 साल पुराने वैवाहिक रिश्ते को खत्म करते हुए उसकी शादी उसके प्रेमी से करा दी। इस घटना ने स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया और इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

जानकारी के अनुसार, मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के विनोद मंडल की शादी करीब आठ साल पहले हुई थी। दोनों पति-पत्नी का वैवाहिक जीवन चल रहा था, लेकिन कुछ समय बाद पत्नी की सोशल मीडिया के माध्यम से बिहार के बाखरपुर गांव निवासी गोलू कुमार से बातचीत शुरू हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। जब इस बात की जानकारी पति विनोद मंडल को हुई तो उन्होंने पत्नी और उसके प्रेमी को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने कई बार दोनों को अपने फैसले पर विचार करने के लिए कहा, लेकिन दोनों अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने की बात पर कायम रहे। इसके बाद पत्नी के परिवार वालों ने भी उसकी इच्छा को देखते हुए प्रेमी से शादी कराने पर सहमति जताई। विनोद मंडल ने भी दोनों की खुशी और इच्छा को देखते हुए एक अलग फैसला लिया और अपनी पत्नी का विवाह उसके प्रेमी गोलू कुमार से कराने का निर्णय किया। गुरुवार को दोनों का विवाह स्थानीय लोगों की मौजूदगी में संपन्न कराया गया। शादी के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और इस अनोखे विवाह को देखा। कई लोगों ने इसे रिश्तों और परिस्थितियों को समझते हुए लिया गया फैसला बताया, जबकि कुछ लोगों ने इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। नवविवाहित जोड़े ने बताया कि उन्होंने अपनी इच्छा और आपसी सहमति से शादी की है। दोनों ने कहा कि वे आगे साथ रहकर अपना जीवन बिताना चाहते हैं। गोलू कुमार ने बताया कि उसके परिवार वाले भी इस रिश्ते के लिए तैयार हैं और वह अपनी पत्नी को अपने साथ रखेगा। पति द्वारा अपनी पत्नी की खुशी के लिए उसका विवाह प्रेमी से कराने का यह मामला अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ बड़ी कामयाबी: भद्रवाह में जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर ढेर, एम4 राइफल बरामद

जम्मी कश्मीर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह स्थित सेओज धार इलाके में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के एक पाकिस्तानी आतंकी कमांडर का शव बरामद किया। आतंकी को पहले एक संयुक्त अभियान के दौरान मार गिराया गया था।

एसओजी डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ की टीम ने तलाशी अभियान के दौरान आतंकी के शव बरामद किए। मुठभेड़ स्थल से अमेरिकी निर्मित एम4 राइफल भी बरामद हुई है। सुरक्षाबलों ने बरामद शव और हथियार को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर रही। सुरक्षाबलों की ओर से इलाके में अभियान और तलाशी की कार्रवाई जारी है। यासिर को 5 सितंबर को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के अशदर गली इलाके में चलाए गए ऑपरेशन अशदर के दौरान मार गिराया गया था। अभियान में भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ शामिल थीं। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने एक एके राइफल और अन्य युद्ध संबंधी सामान भी बरामद किया था। सुरक्षा एजेंसियां अब आतंकी के स्थानीय संपर्कों और उसकी गतिविधियों की जांच कर रही हैं। सुरक्षाबलों का कहना है कि क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर निगरानी और संयुक्त अभियान लगातार जारी हैं। यासिर के मारे जाने को जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक अहम कार्रवाई माना जा रहा है।

'तू गंदी हो गई अब, नहीं छू सकता मैं' टीबी का इलाज कराने के बहाने रंगरलियां मना रही थी पत्नी, पति ने रंगे हाथों पकड़ा!

गुरुग्राम (एजेंसी)।

हरियाणा के गुरुग्राम से एक ऐसा सनसनीखेज और फिल्मी ड्रामा सामने आया है, जिसे देखकर वहां मौजूद हर शख्स के होश उड़ गए. गुरुग्राम के सेक्टर-31 मार्केट के पास सड़क पर पति-पत्नी के बीच ऐसा हाई-वोल्टेज तमाशा देखने को मिला कि देखने वालों की भीड़ जमा हो गई. पति का आरोप है कि उसकी पत्नी टीबी की बीमारी का झूठा बहाना बनाकर और गांव में इलाज कराने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन असलियत में वह यहां एक स्पा सेंटर की आड़ में गलत धंधा कर रही थी।

जब पति को इसकी भनक लगी तो वह अचानक स्पा सेंटर के बाहर पहुंच गया और पत्नी को बाहर खींच लाया. सड़क पर ही दोनों के बीच भयंकर हंगामा, धक्का-मुक्की और रोना-धोना शुरू हो गया. गुस्से से आगबबूला पति ने अपनी पत्नी पर आरोप लगाते हुए कहा, 'तू गंदी हो चुकी है, अब मैं तुझे छूना भी नहीं चाहता... बस मुझे मेरी मासूम बच्ची वापस कर दो!' पति का दावा है कि उसकी पत्नी खुद को टीबी का मरीज बताकर उस पर झूठे इल्जाम लगाती थी, जबकि अंदरखाने खेल कुछ और ही चल रहा था. इस पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रहा है. वायरल दावों की मानें तो इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब पत्नी ने अपने पति से कहा कि उसे टीबी (TB) की खतरनाक बीमारी हो गई है और वह अपना इलाज कराने के लिए गांव जा रही है. पति को लगा कि उसकी पत्नी सच कह रही है, इसलिए उसने उसे जाने दिया. लेकिन कुछ समय बाद पति को गुप्त सूचना मिली कि उसकी पत्नी गांव जाने के बजाय गुरुग्राम के सेक्टर-31 इलाके में एक स्पा सेंटर में काम कर रही है और वहां संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है. यह सुनते ही पति के पैरों तले जमीन खिसक गई और वह बिना देर किए सीधे उस स्पा सेंटर के बाहर जा पहुंचा।

सड़क पर हंगामे के दौरान पति ने अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह स्पा सेंटर की आड़ में गलत काम कर रही थी और टीबी का मरीज होने का झूठा दोष मढ़ती थी. गुस्से और नफरत से भरे पति ने सरेआम चिल्लाते हुए कहा, 'तू गंदी हो चुकी है, अब मैं तुझे छूना भी नहीं चाहता!' इसके साथ ही उसने अपनी पत्नी से अपनी छोटी बच्ची को तुरंत वापस करने की मांग की, ताकि वह उसे सुरक्षित अपने साथ ले जा सके. हालांकि, इस वायरल वीडियो और पति द्वारा लगाए गए इन तमाम गंभीर आरोपों की अभी तक किसी स्वतंत्र एजेंसी या पुलिस द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है.

एसीपी के सूने घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, 6 लाख नकद और जेवर ले गए चोर

भोपाल (एजेंसी)।

राजधानी के कोलार थाना क्षेत्र स्थित डीके-2 इलाके में एक पुलिस अधिकारी के घर ही लाखों रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। ट्रैफिक एसीपी विजय दुबे के घर को बदमाशों ने उस समय निशाना बनाया, जब वे मुख्यमंत्री की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात थे और परिवार के सदस्य उज्जैन गए हुए थे। घर खाली होने का फायदा उठाकर चोर ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए और नकदी व सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार बदमाश कार से इलाके में पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले घर के बाहरी गेट का ताला तोड़ा और फिर अंदर के गेट का ताला तोड़कर मकान में प्रवेश किया। इसके बाद कमरों और अलमारियों की तलाशी लेकर जहां नकदी और कीमती सामान मिला, उसे समेट लिया। शुरुआती जानकारी में घर से करीब 6 लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के आभूषण चोरी होने की बात सामने आई है। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी जा रही है। हालांकि अंतिम आकलन जांच और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही स्पष्ट होगा।

एसीपी विजय दुबे देर रात ड्यूटी पूरी कर अपने घर पहुंचे, तब उन्हें चोरी की जानकारी हुई। घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच में करीब 6 लाख रुपये नकद गायब मिले। बताया गया है कि यह रकम उनके द्वारा लिए गए करीब 20 लाख रुपये के व्यक्तिगत ऋण में से बची राशि थी। इसके अलावा घर में रखे परिवार के सदस्यों के सोने-चांदी के जेवर भी नहीं मिले। इनमें भाई-भाभी और ससुराल पक्ष के लोगों के आभूषण भी शामिल बताए गए हैं। चोरी की इस वारदात में बदमाशों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर को भी नहीं छोड़ा। बताया जा रहा है कि चोर कैमरों की मौजूदगी से परिचित थे और जाते समय डीवीआर अपने साथ ले गए। हालांकि आसपास के मकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज पुलिस के लिए अहम सुराग बन सकती है। पड़ोसी के कैमरे में संदिग्ध कार से कुछ लोगों के आने-जाने की जानकारी सामने आई है।

सीजीपीएससी घोटाले में बलरामपुर के अतिरिक्त कलेक्टर गिरफ्तार, 6 दिन की ईडी रिमांड

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओएसडी रह चुके हैं चेतन बोरघारिया, उत्कर्ष चंद्राकर से कथित बातचीत सामने आने के बाद कार्रवाई

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के अतिरिक्त कलेक्टर चेतन बोरघारिया को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने पूछताछ के लिए उन्हें छह दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया।

ईडी ने अदालत में दावा किया कि चेतन बोरघारिया और इस मामले में पहले गिरफ्तार किए जा चुके कोचिंग संचालक उत्कर्ष चंद्राकर के बीच हुई कथित बातचीत के प्रमाण मिले हैं। इसी आधार पर जांच एजेंसी ने उनसे पूछताछ के लिए हिरासत मांगी थी। अदालत की अनुमति के बाद अब ईडी उनसे भर्ती प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और पैसों के लेन-देन से जुड़े पहलुओं पर पूछताछ करेगी। चेतन बोरघारिया के खिलाफ ईडी की कार्रवाई अचानक नहीं हुई। करीब दस दिन पहले जांच एजेंसी ने धमतरी और बलरामपुर में उनके ठिकानों पर दबिश दी थी। धमतरी स्थित अमलतास पुरम के आवास पर भी जांच की गई थी, जबकि बलरामपुर में उनसे पूछताछ की गई थी। अब गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी कथित बातचीत, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों को सामने रखकर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि सीजीपीएससी भर्ती प्रक्रिया में उनकी क्या भूमिका रही और अन्य आरोपियों के साथ उनका किस तरह का संपर्क था। इस मामले में कोचिंग संचालक उत्कर्ष चंद्राकर को ईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। करीब छह दिन पहले उसे अदालत में पेश किया गया था। उस समय ईडी ने उसकी हिरासत बढ़ाने के लिए आवेदन नहीं किया, जिसके बाद अदालत ने उत्कर्ष चंद्राकर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। ईडी के अनुसार, उत्कर्ष की भूमिका कथित तौर पर अभ्यर्थियों तक प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र पहुंचाने से जुड़ी रही है। जांच में यह भी आरोप सामने आया है कि अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उनसे बड़ी रकम ली गई।

नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों की वसूली का आरोप :- जांच एजेंसी के मुताबिक, उत्कर्ष चंद्राकर ने चिकित्सक डॉ. विकास चंद्राकर के साथ मिलकर अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दिलाने का कथित नेटवर्क तैयार किया था। अभ्यर्थियों को परीक्षा के अलग-अलग चरणों में मदद करने और प्रारंभिक परीक्षा से लेकर साक्षात्कार तक सफलता की गारंटी देने का दावा किए जाने की बात सामने आई है। ईडी का आरोप है कि इस कथित नेटवर्क के जरिए अभ्यर्थियों से तीन करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूली गई। अब जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि यह रकम किन लोगों तक पहुंची और कथित तौर पर इसका इस्तेमाल किस तरह किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री कार्यालय के नाम और प्रभाव के इस्तेमाल का दावा :- जांच एजेंसी का दावा है कि अभ्यर्थियों से पैसे जुटाने और उन्हें प्रभावित करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री के निजी सहायक तथा उत्कर्ष चंद्राकर के मामा के.के. चंद्रवंशी के नाम, पद और प्रभाव का कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया। इसके साथ ही तत्कालीन मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ रहे अधिकारियों के नाम और प्रभाव का भी अभ्यर्थियों के बीच इस्तेमाल किए जाने की बात जांच में सामने आई है। ईडी अब इन दावों की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

क्या है सीजीपीएससी भर्ती घोटाला?

यह मामला वर्ष 2020 से 2022 के बीच हुई छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि परीक्षा और साक्षात्कार की प्रक्रिया में नियमों और पारदर्शिता की अनदेखी करते हुए प्रभावशाली लोगों से जुड़े अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाया गया। आरोपों में यह भी कहा गया कि योग्य अभ्यर्थियों की जगह कथित रूप से रसूखदार परिवारों से जुड़े लोगों का चयन उप कलेक्टर, पुलिस उप अधीक्षक समेत अन्य राजपत्रित पदों पर कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपी थी। जांच के दौरान केंद्रीय एजेंसी ने कई ठिकानों पर कार्रवाई कर दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाए।

कर्नाटक के मंत्री से जुड़े ठिकानों पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 3.30 करोड़ नकद बरामद

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली और उनके करीबियों से जुड़े ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने बेंगलुरु, बेलगावी, गोकाक और कोलकाता में कुल 21 स्थानों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून के तहत की गई।

ईडी के अनुसार, तलाशी के दौरान करीब 3.30 करोड़ रुपये की भारतीय नकदी और लगभग 15 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। विदेशी मुद्रा में अमेरिकी डॉलर और यूरो शामिल बताए गए हैं। ईडी की कार्रवाई मंत्री के परिवार और करीबियों तक भी पहुंची। तलाशी में चिक्कोडी की सांसद और मंत्री की बेटी प्रियंका जारकीहोली, उनके बेटे राहुल जारकीहोली तथा रिश्तेदार वाईडी मंजूनाथ से जुड़े परिसरों को भी शामिल किया गया। इसके अलावा मंत्री के विशेष कार्य अधिकारी और निजी सहायक समेत अन्य करीबियों के ठिकानों की भी जांच की गई। जांच एजेंसी के मुताबिक, तलाशी में ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जिनसे जारकीहोली परिवार के कुछ सदस्यों की अफ्रीका स्थित विदेशी कंपनियों में हिस्सेदारी होने की जानकारी सामने आई है।

इनमें कांगो और जाम्बिया की खनन कंपनियां शामिल हैं। ईडी का दावा है कि सतीश जारकीहोली की कांगो की सोने की खदान से जुड़ी एक कंपनी में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी भी सामने आई है। एजेंसी अब विदेशों में किए गए निवेश, संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है।

बंगाल नहीं, बलि प्रथा पर बात की थी नॉनवेज विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में नॉनवेज विवाद को लेकर बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने जवाब दिया है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनकी बातों के अर्थ का अनर्थ निकाला गया। उन्होंने किसी के खान-पान पर कभी नहीं बोला। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम पश्चिम बंगाल से आ रहे हैं। आते ही हमारे वापस निकलते ही चर्चाएं वहां शुरू हो गई। बड़ी तेज चर्चाएं चल रही। बागेश्वर बाबा ने कहा कि हमने किसी के खान पान पर कभी नहीं बोला। किसी के पहनावे पर कभी नहीं बोला। हम जीव हिंसा के खिलाफ हैं।

बाबा बागेश्वर ने कहा कि हमने दुर्गा पूजा की बात थी। हमने कहा था कि दुर्गा पूजा के पांडाल में मांस न खाएं। अगर किसी को खाना है तो अपने घर पर खाए। पूजा पांडाल की पवित्रता बनाए रखने के लिए हमने ऐसा कहा था। हमने धार्मिक गुरु होने के नाते अहिंसा पर बात की। सबको जीने का अधिकार है। मैं जीव हिंसा पर बोलूंगा। हमने बलि प्रथा पर वहां प्रहार किया। हम बंगाली को नहीं समझा रहे, हम खुद बंगाली हैं। अर्थ का अनर्थ निकाला गया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम भारत के ही हैं। हम स्वामी विवेकानंद के ही शिष्य हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के ही शिष्य हैं। बामा चरण खेपा के ही शिष्य हैं। उनको मानने वाले हम आपके भोजन पर क्यों बोलेंगे भैया? आप सब तो हमारे आत्मीय हो। हम क्यों बोलेंगे? हां लेकिन जीव हिंसा पर तो बोलेंगे। हमारा शास्त्र बोलता है तो हम शास्त्र की बात तो बोलेंगे। बाबा बागेश्वर ने कहा कि मैंने वहां पर कहा था कि वो कैसी मां, जो अपने बेटे की बलि लेगी। अगर मां (दुर्गा माता) को बलि लेनी होगी तो वह खुद ले लेगी। जिसको बलि चढ़ाना हो वह मां के सामने जीव को छोड़ दे, अगर मां को बलि लेनी होगी वह खुद गिर जाएगा। तुम क्यों जीव को काट रहे हो।

भारत के पास 190 परमाणु हथियार, 35 और बनाने की क्षमता का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की परमाणु ताकत को लेकर अमेरिकी संगठन फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) की एक नई रिपोर्ट में महत्वपूर्ण दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास फिलहाल करीब 190 परमाणु हथियार हैं और आने वाले वर्षों में देश करीब 35 और परमाणु हथियार बनाने की क्षमता रखता है। इस तरह भारत के परमाणु हथियारों की संख्या करीब 225 तक पहुंच सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत जमीन और हवा के साथ-साथ समुद्र से परमाणु हमला करने की क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों के माध्यम से भारत अपनी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को विस्तार दे रहा है। एफएएस के अनुसार, 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलोग्राम हथियार-ग्रेड प्लूटोनियम होने का अनुमान है। रिपोर्ट के आकलन के मुताबिक इससे करीब 225 परमाणु हथियार तैयार किए जा सकते हैं। हालांकि संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह अनुमान है और वास्तविक संख्या हथियारों की बनावट तथा उपलब्ध सामग्री के उपयोग पर निर्भर करेगी। रिपोर्ट के अनुसार भारत के मौजूदा परमाणु हथियारों में 160 से अधिक हथियार वर्तमान मिसाइल प्रणालियों के लिए निर्धारित हैं, जबकि शेष को अन्य नई प्रणालियों के लिए तैयार रखा गया है। रिपोर्ट में भारत की अग्नि-5 मिसाइल के विकास का भी उल्लेख किया गया है। इसमें बहु-स्वतंत्र लक्ष्यभेदी पुन:प्रवेश वाहन यानी एमआईआरवी तकनीक के परीक्षण की बात कही गई है। इस तकनीक के जरिए एक ही मिसाइल से अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए कई वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित की जाती है। एफएएस के आकलन के मुताबिक अग्नि-5 संभवत: तीन वॉरहेड ले जाने में सक्षम हो सकती है। हालांकि कई वॉरहेड ले जाने की स्थिति में मिसाइल की अधिकतम मारक दूरी प्रभावित होने की संभावना भी बताई गई है। रिपोर्ट में भारत के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का भी उल्लेख किया गया है। एफएएस का अनुमान है कि निर्धारित क्षमता के स्तर पर संचालन होने पर इससे हर साल बड़ी मात्रा में प्लूटोनियम-239 का उत्पादन हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे भविष्य में करीब 35 परमाणु हथियारों के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध हो सकती है।

चीन तक बढ़ रहा परमाणु क्षमता का दायरा

रिपोर्ट के मुताबिक भारत की परमाणु नीति लंबे समय तक मुख्य रूप से पाकिस्तान को ध्यान में रखकर विकसित हुई, लेकिन अब लंबी दूरी की मिसाइलों और समुद्र आधारित परमाणु क्षमता के विस्तार से इसका रणनीतिक दायरा चीन तक भी बढ़ रहा है। भारत लंबे समय से 'पहले परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं करने' यानी नो फर्स्ट यूज की नीति की बात करता रहा है। इसके बावजूद परमाणु हथियारों और मिसाइल प्रणालियों के आधुनिकीकरण से क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

दुनिया में हजारों परमाणु हथियार

एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास कुल मिलाकर 12 हजार से अधिक परमाणु हथियार हैं। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे हथियारों की है जिन्हें सैन्य इस्तेमाल के लिए तैयार रखा गया है। भारत भी अपनी परमाणु क्षमता को आधुनिक बनाने वाले देशों में शामिल है।

दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका, स्टार तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन वनडे सीरीज से बाहर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से शुरू होगी तीन मैचों की वनडे सीरीज, बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बार्टमैन नहीं खेलेंगे; डुआन जेनसन को टीम में मिली जगह

डरबन (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने इसकी जानकारी दी। बार्टमैन की जगह डुआन जेनसन को दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल किया गया है।

डुआन जेनसन 19 सितंबर को डरबन में दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ जुड़ेंगे। इस दौरान वह अपने भाई और दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर मार्को जेनसन के साथ टीम कैंप में भी शामिल होंगे। बार्टमैन के बाहर होने के बाद डुआन जेनसन का टीम में शामिल होना दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी विभाग के लिए महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 24 सितंबर को डरबन में खेला जाएगा। सीरीज शुरू होने से पहले ही दक्षिण अफ्रीका को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करना पड़ा है। ओटनील बार्टमैन की चोट ने टीम प्रबंधन की योजनाओं को प्रभावित किया है।

बार्टमैन इस वनडे सीरीज से बाहर होने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे खिलाड़ी हैं, जिन्हें हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण टीम से बाहर होना पड़ा है। इससे पहले अनुभवी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं। लगातार दो तेज गेंदबाजों की अनुपलब्धता ने दक्षिण अफ्रीकी टीम के गेंदबाजी विभाग के सामने चुनौती बढ़ा दी है।

कगिसो रबाडा को वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है। हालांकि, उनकी टेस्ट सीरीज में भागीदारी को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं किया गया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका रबाडा की फिटनेस पर नजर बनाए हुए है। रबाडा अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने की कोशिश कर रहे हैं और टेस्ट सीरीज के लिए फिट होने की तैयारी में हैं। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 9 अक्टूबर से शुरू होगी। रबाडा की टेस्ट सीरीज में उपलब्धता को लेकर अंतिम फैसला टेस्ट सीरीज के करीब लिया जाएगा। ऐसे में दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए रबाडा की फिटनेस आने वाले समय में महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका ने पिछले सप्ताह 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया था। इस टीम में नियमित कप्तान तेंबा बावुमा की वापसी हुई है। बावुमा की वापसी से टीम के बल्लेबाजी क्रम को अनुभव और मजबूती मिली है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम में अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को भी शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम के मध्यक्रम और बल्लेबाजी विकल्पों को मजबूती मिलती है। इसके अलावा गेराल्ड कोएत्जी की भी टीम में वापसी हुई है। गेराल्ड कोएत्जी ने दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना पिछला वनडे मुकाबला 2023 वनडे विश्व कप में खेला था। इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए कोई वनडे मुकाबला नहीं खेला है। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उन्हें फिर से वनडे टीम में जगह मिली है।

कोएत्जी को कगिसो रबाडा की जगह टीम में शामिल किया गया है। रबाडा के वनडे सीरीज से बाहर होने के बाद दक्षिण अफ्रीका को तेज गेंदबाजी विभाग में एक अतिरिक्त विकल्प की जरूरत थी। कोएत्जी के पास अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में अपनी वापसी को प्रभावी बनाने का मौका होगा। ओटनील बार्टमैन के बाहर होने के बाद डुआन जेनसन को टीम में शामिल किया गया है। जेनसन 19 सितंबर को डरबन में टीम के साथ जुड़ेंगे। खास बात यह है कि टीम कैंप में उनके भाई मार्को जेनसन भी मौजूद रहेंगे। दोनों भाइयों का एक ही टीम कैंप का हिस्सा होना दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए एक खास पहलू होगा।

दक्षिण अफ्रीका की टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। कप्तान तेंबा बावुमा के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक, मार्को जेनसन, केशव महाराज और लुंगी एनगिडी जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। वहीं, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, क्वेना मफाका, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है।

आक्रामक बल्लेबाज डिवाल्ड ब्रेविस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह टेस्ट सीजन की तैयारी कर रहे हैं और इस दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में हिस्सा लेंगे। इसलिए वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

वहीं, एडेन मार्करम भी पहले वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हालांकि, वह सीरीज के दूसरे और तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ उपलब्ध रहेंगे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका को पहले वनडे के लिए अपने बल्लेबाजी संयोजन में भी बदलाव करना होगा।

पहला वनडे 24 सितंबर को डरबन में खेला जाएगा। सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका के सामने तेज गेंदबाजी संयोजन को संतुलित करने की चुनौती है। कगिसो रबाडा और ओटनील बार्टमैन जैसे तेज गेंदबाजों की अनुपलब्धता के बाद टीम में गेराल्ड कोएत्जी और डुआन जेनसन को शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की बात यह है कि टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। तेंबा बावुमा की वापसी के अलावा डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक जैसे अनुभवी बल्लेबाज टीम को मजबूती देते हैं। केशव महाराज और लुंगी एनगिडी जैसे खिलाड़ियों के पास भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अच्छा अनुभव है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज दक्षिण अफ्रीका के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि इसके बाद दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज खेली जानी है। वनडे सीरीज के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस पर भी टीम प्रबंधन की नजर रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी में गेराल्ड कोएत्जी की वापसी और डुआन जेनसन का शामिल होना टीम के लिए महत्वपूर्ण बदलाव हैं। वहीं, बार्टमैन और रबाडा के बाहर होने से टीम के मूल तेज गेंदबाजी संयोजन में बदलाव हुआ है। अब नए संयोजन के साथ दक्षिण अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम में तेंबा बावुमा (कप्तान), डुआन जेनसन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, ब्योर्न फोर्टुइन, मार्को जेनसन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स शामिल हैं।

ओटनील बार्टमैन के चोट के कारण बाहर होने के बाद डुआन जेनसन को इस टीम में शामिल किया गया है। वहीं, कगिसो रबाडा की जगह गेराल्ड कोएत्जी पहले ही टीम में जगह बना चुके हैं। इस तरह सीरीज शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी विभाग में दो अहम बदलाव हो चुके हैं।

कुल मिलाकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम के सामने चोटों से जुड़ी चुनौती जरूर है, लेकिन टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण मौजूद है। तेंबा बावुमा की वापसी, डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक का अनुभव तथा गेराल्ड कोएत्जी और डुआन जेनसन जैसे गेंदबाजी विकल्प टीम को मजबूत बनाने की कोशिश करेंगे।

'देश में एथेनॉल की आपूर्ति 895 करोड़ लीटर, अनाज से उत्पादन बढ़ा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। एथेनॉल सप्लाई ईयर (ई.एस.वाई.) 2025-26 के तहत अगस्त 2026 के अंत तक भारत में कुल 895 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हुई है। इसमें करीब 70 प्रतिशत हिस्सा अनाज आधारित फीडस्टॉक से आया है। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (ए.आई.डी.ए.) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार कुल आपूर्ति तय किए गए 1,048 करोड़ लीटर के अनुबंध का करीब 85 प्रतिशत है। ए.आई.डी.ए. के अनुसार अगस्त के अंत तक कुल 895 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति में से 624 करोड़ लीटर अनाज आधारित स्रोतों से प्राप्त हुआ, जबकि 271 करोड़ लीटर चीनी आधारित फीडस्टॉक से आया।

अनाज आधारित स्रोतों में मक्का सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा। इससे 345 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हुई। इसके बाद भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.) के अतिरिक्त चावल से 214 करोड़ लीटर और क्षतिग्रस्त खाद्यान्न से 64 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हुई। वहीं, चीनी आधारित फीडस्टॉक से अगस्त के अंत तक कुल 271 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हुई। इसमें गन्ने के रस से 149 करोड़ लीटर, बी-हैवी मोलासेस से 107 करोड़ लीटर और सी-हैवी मोलासेस से 15 करोड़ लीटर एथेनॉल शामिल है।

उत्पादन बढ़ने के साथ खपत के नए अवसर जरूरी

ए.आई.डी.ए. ने कहा कि देश में एथेनॉल उत्पादन क्षमता और आपूर्ति लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अगली बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना होगी कि उत्पादन में वृद्धि के अनुरूप एथेनॉल के इस्तेमाल के लिए पर्याप्त और स्थिर अवसर भी उपलब्ध हों। भारत मौजूदा एथेनॉल-ब्लैंडिंग व्यवस्था से आगे बढ़कर फ्लैक्स-फ्यूल वाहनों (एफ.एफ.वी.), कंप्रैस्ड बायोगैस (सी.बी.जी.), सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एस.ए.एफ.) और अन्य क्षेत्रों में एथेनॉल के व्यापक उपयोग की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में एथेनॉल की बढ़ती उपलब्धता के लिए नए उपयोग क्षेत्रों का विकास महत्वपूर्ण होगा।

जमीन और प्लॉट का बनेगा 'आधार कार्ड'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार जमीन से जुड़े रिकॉर्ड और रजिस्ट्री सिस्टम को डिजिटल और ज्यादा पारदर्शी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम के तहत 'भू-आधार' यानी यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है।

इस व्यवस्था के तहत देश के अलग-अलग हिस्सों में जमीन और प्लॉट की पहचान के लिए 14 अंकों का यूनिक नंबर दिया जाएगा यानी यह जमीन का एक डिजिटल कार्ड होगा। इसे जमीन की डिजिटल पहचान के तौर पर देखा जा रहा है। इसमें जमीन की भौगोलिक स्थिति और उससे जुड़े रिकॉर्ड को डिजिटल सिस्टम से जोड़ा जाएगा। भू-आधार या ULPIN जमीन के एक भूखंड को दी जाने वाली विशिष्ट डिजिटल पहचान है। जैसे आधार नंबर किसी व्यक्ति की पहचान से जुड़ा होता है, उसी तरह LPIN का इस्तेमाल किसी जमीन के पार्सल की पहचान के लिए किया जाएगा।

सेबी ने वायदा-विकल्प सौदों के निपटान मूल्य तय करने के नियम बदलने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचकांक और शेयर वायदा-विकल्प सौदों के समाप्ति दिवस पर निपटान मूल्य तय करने की मौजूदा पद्धति में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। बाजार नियामक ने यह कदम हाल ही में शुरू किए गए क्लोजिंग ऑक्शन सत्र (सीएएस) की समीक्षा और बाजार प्रतिभागियों से मिली प्रतिक्रियाओं के बाद उठाया है। सेबी ने इस संबंध में एक परामर्श पत्र जारी करते हुए निपटान मूल्य तय करने के लिए दो विकल्प सुझाए हैं।

सेबी के प्रस्ताव का सीधा संबंध इस बात से है कि समाप्ति दिवस पर सूचकांक और शेयर वायदा-विकल्प अनुबंधों का अंतिम निपटान मूल्य किस आधार पर निर्धारित किया जाए। मौजूदा व्यवस्था में इक्विटी नकद बाजार में सीएएस के माध्यम से तय होने वाली क्लोजिंग कीमत को समाप्ति दिवस पर डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान मूल्य का आधार बनाया जाता है। बाजार प्रतिभागियों से इस व्यवस्था को लेकर मिली प्रतिक्रियाओं के बाद नियामक ने वैकल्पिक पद्धति पर विचार शुरू किया है। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में निपटान मूल्य तय करने के लिए दो विकल्प सामने रखे हैं। पहले विकल्प के तहत लगातार कारोबार वाले सत्र यानी कंटीन्यूअस ट्रेडिंग सेशन (सीटीएस) के अंतिम 30 मिनट और उसके बाद होने वाले 10 मिनट के क्लोजिंग ऑक्शन सत्र में हुए कारोबार को मिलाकर संयुक्त मात्रा भारित औसत कीमत यानी वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस (वीडब्ल्यूएपी) तय करने का प्रस्ताव है।

इस प्रस्ताव के अनुसार सीटीएस के अंतिम 30 मिनट के कारोबार और 10 मिनट के सीएएस के दौरान हुए सौदों को निपटान मूल्य निर्धारित करने की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। दोनों अवधियों में हुए कारोबार की मात्रा को ध्यान में रखते हुए संयुक्त वीडब्ल्यूएपी निकाली जाएगी। यह कीमत समाप्ति दिवस पर डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान मूल्य का आधार बन सकती है। दूसरा विकल्प मौजूदा सीटीएस वीडब्ल्यूएपी पद्धति को ही जारी रखना है। यानी नियामक के सामने यह विकल्प भी है कि सीएएस के क्लोजिंग प्राइस को निपटान मूल्य का आधार बनाने के बजाय पहले से इस्तेमाल की जा रही सीटीएस वीडब्ल्यूएपी पद्धति को ही बरकरार रखा जाए।

सेबी ने कहा है कि ये विकल्प बाजार प्रतिभागियों से मिली प्रतिक्रियाओं के आधार पर प्रस्तावित किए गए हैं। बाजार से प्राप्त प्रतिक्रियाओं में डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सत्र के तहत तय किए गए क्लोजिंग प्राइस के इस्तेमाल का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। बाजार प्रतिभागियों ने समाप्ति दिवस पर वायदा-विकल्प अनुबंधों के निपटान मूल्य को लेकर सीएएस व्यवस्था के प्रभाव पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। इन्हीं प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने अब निपटान मूल्य निर्धारित करने की पद्धति को लेकर दो संभावित विकल्प बाजार के सामने रखे हैं। वायदा-विकल्प यानी डेरिवेटिव बाजार में निपटान मूल्य की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। समाप्ति दिवस पर अनुबंधों के अंतिम निपटान के लिए जिस कीमत को आधार बनाया जाता है, उसका सीधा संबंध संबंधित अनुबंधों के निपटान से होता है।

3 अगस्त से शुरू हुई थी सीएएस व्यवस्था

सेबी ने इक्विटी नकद बाजार में 3 अगस्त से क्लोजिंग ऑक्शन सत्र यानी सीएएस व्यवस्था शुरू की थी। इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रतिभूतियों का क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करना है। क्लोजिंग ऑक्शन सत्र के जरिए बाजार में कारोबार की एक निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर प्रतिभूतियों की अंतिम कीमत तय की जाती है। मौजूदा व्यवस्था में सीएएस के जरिए तय होने वाला क्लोजिंग प्राइस समाप्ति दिवस पर डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान मूल्य का आधार बनता है। अब सेबी इस व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है और बाजार प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के आधार पर इसमें बदलाव की संभावना पर विचार कर रहा है।

पाकिस्तान के स्थायी टेस्ट कोच बनना चाहते हैं माइक हेसन, बोले- 'मैं इसके लिए तैयार हूं'

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में अंतरिम कोच की भूमिका निभाने वाले हेसन ने जताई लंबी पारी खेलने की इच्छा, कहा- पाकिस्तान में प्रतिभा की कमी नहीं

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के मुख्य कोच माइक हेसन ने स्थायी टेस्ट कोच की जिम्मेदारी संभालने की इच्छा जाहिर की है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट में अंतरिम टेस्ट कोच की भूमिका निभाने वाले हेसन ने स्पष्ट किया कि यदि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उन्हें लंबे समय के लिए टेस्ट टीम की जिम्मेदारी देना चाहता है तो वह इसके लिए तैयार हैं। हालांकि, इस संबंध में अंतिम फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ही लेना है।

माइक हेसन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अपनी इच्छा खुलकर सामने रखी। उनसे जब पाकिस्तान के स्थायी टेस्ट कोच बनने की संभावना को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'मैं इसके लिए तैयार हूं, बिल्कुल।' हेसन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट में लगातार चुनौतियों का सामना कर रहा है और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए स्थिर नेतृत्व की जरूरत महसूस की जा रही है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद सरफराज अहमद को टेस्ट कोच के पद से हटा दिया था। इसके बाद बोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले गए तीसरे और आखिरी टेस्ट के लिए माइक हेसन को अंतरिम टेस्ट कोच की जिम्मेदारी सौंपी। हालांकि, हेसन की देखरेख में भी पाकिस्तान टीम टेस्ट सीरीज में हार से नहीं बच सकी। इंग्लैंड ने एजबेस्टन में खेले गए तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। इस तरह पाकिस्तान को पूरी टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। तीसरे टेस्ट के नतीजे के बावजूद हेसन ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम में मौजूद प्रतिभा को लेकर सकारात्मक विचार व्यक्त किए। उनका मानना है कि टीम में ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं, जिन्हें सही दिशा, योजना और पर्याप्त समय दिया जाए तो पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

स्थायी टेस्ट कोच की भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल पर हेसन ने कहा कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट पसंद है और पाकिस्तान क्रिकेट सिस्टम में काफी प्रतिभा मौजूद है। उन्होंने कहा, 'मुझे टेस्ट क्रिकेट बहुत पसंद है और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी प्रतिभा मौजूद है। अगर हम खिलाड़ियों को सही दिशा दे सकें, तो आगे बढ़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।' हेसन के बयान से संकेत मिलता है कि वह पाकिस्तान की टेस्ट टीम के साथ लंबे समय तक काम करने की संभावना को गंभीरता से देखते हैं। हालांकि, अभी तक बोर्ड की ओर से उन्हें स्थायी टेस्ट कोच बनाए जाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। माइक हेसन ने पाकिस्तान टीम में सुधार को लेकर जल्दबाजी से बचने की बात कही। उन्होंने माना कि किसी टीम की पूरी तस्वीर एक या दो मुकाबलों में नहीं बदली जा सकती। इसके लिए खिलाड़ियों के साथ लंबे समय तक काम करना, सही योजना तैयार करना और उन्हें लगातार बेहतर होने का अवसर देना जरूरी होगा।

हेसन ने कहा, 'यह बदलाव एक या दो मैचों में नहीं हो सकता, लेकिन यहां काफी प्रतिभा है। मैं निश्चित रूप से इस टीम की जिम्मेदारी संभालने और उसे आगे ले जाने पर विचार करूंगा।' उनके इस बयान से साफ है कि हेसन पाकिस्तान के मौजूदा प्रदर्शन से निराश होने के बजाय टीम की क्षमता पर भरोसा कर रहे हैं। वह मानते हैं कि पाकिस्तान के पास पर्याप्त प्रतिभा मौजूद है और सही दिशा मिलने पर टीम के प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता है।

हालांकि माइक हेसन ने स्थायी टेस्ट कोच बनने की इच्छा जाहिर कर दी है, लेकिन इस भूमिका को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और चयनकर्ताओं के साथ अभी तक उनकी कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। हेसन ने खुद इस बात की जानकारी दी है। मई 2025 से माइक हेसन पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच हैं। ऐसे में यदि PCB उन्हें टेस्ट की जिम्मेदारी भी देता है तो उनके कार्यक्षेत्र में बड़ा विस्तार हो सकता है। फिलहाल यह बोर्ड पर निर्भर करेगा कि वह टेस्ट टीम के लिए अलग स्थायी कोच नियुक्त करता है या हेसन को ही अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपता है।

माइक हेसन के बयान के बाद यह संभावना भी चर्चा में है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उनके कार्यक्षेत्र का विस्तार कर सकता है। फिलहाल वह सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच हैं, जबकि तीसरे टेस्ट में उन्होंने अंतरिम टेस्ट कोच के तौर पर काम किया। ऐसे में PCB के सामने यह विकल्प हो सकता है कि वह टेस्ट टीम के लिए अलग कोच नियुक्त करे या हेसन को सभी प्रारूपों की जिम्मेदारी सौंप दे। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक फैसला सामने नहीं आया है। हेसन ने अपनी इच्छा जरूर जाहिर की है, लेकिन स्थायी नियुक्ति का निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को करना है। माइक हेसन ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका तत्काल ध्यान पाकिस्तान की आगामी सफेद गेंद की क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर है। पाकिस्तान को एशियन गेम्स में सीमित ओवरों के मुकाबले खेलने हैं और हेसन इस अभियान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसका मतलब है कि टेस्ट कोच की भूमिका को लेकर अपनी इच्छा जाहिर करने के बावजूद हेसन की प्राथमिकता फिलहाल पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के साथ आगामी जिम्मेदारियां हैं। टेस्ट कोच पद को लेकर आगे की स्थिति PCB के फैसले के बाद ही स्पष्ट होगी।

हेसन ने यह भी बताया कि इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खाली पड़े टेस्ट कोच के पद को लेकर उनसे संपर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान के साथ अपनी मौजूदा प्रतिबद्धता को प्राथमिकता दी। हेसन का पाकिस्तान के साथ बने रहने का फैसला यह संकेत देता है कि वह टीम के मौजूदा ढांचे और खिलाड़ियों के साथ काम जारी रखने को लेकर गंभीर हैं। अब वह कम से कम 2027 वनडे विश्व कप तक पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ जुड़े रहना चाहते हैं।

माइक हेसन ने अपने भविष्य को लेकर भी संकेत दिया है। वह कम से कम 2027 वनडे विश्व कप तक पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ काम करना चाहते हैं। इंग्लैंड के टेस्ट कोच पद को लेकर संपर्क किए जाने के बावजूद उन्होंने पाकिस्तान के साथ अपनी प्रतिबद्धता को प्राथमिकता दी। हेसन का मानना है कि पाकिस्तान टीम के साथ लंबे समय तक काम करने से टीम के प्रदर्शन में स्थायी सुधार लाने का अवसर मिल सकता है। वह टीम में मौजूद प्रतिभा को सही दिशा देकर उसे आगे ले जाने की संभावना देखते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 की हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में सुधार एक बड़ी चुनौती है। तीसरे टेस्ट में हेसन को अंतरिम जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन टीम को जीत नहीं मिल सकी। अब स्थायी टेस्ट कोच को लेकर PCB को फैसला करना होगा। हेसन की सबसे बड़ी ताकत यह हो सकती है कि वह पहले से ही पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के साथ काम कर रहे हैं और खिलाड़ियों तथा क्रिकेट सिस्टम से परिचित हैं। हालांकि, उन्हें स्थायी टेस्ट कोच बनाने का फैसला PCB के हाथ में है।

हेसन के सामने होगी बड़ी चुनौती

यदि माइक हेसन को स्थायी टेस्ट कोच की जिम्मेदारी मिलती है तो उनके सामने पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट को दोबारा मजबूत करने की चुनौती होगी। उन्होंने खुद माना है कि बदलाव तत्काल नहीं हो सकता। इसके लिए समय, सही दिशा और खिलाड़ियों के साथ लगातार काम करने की जरूरत होगी। पाकिस्तान में प्रतिभा की कमी नहीं होने की बात पर जोर देते हुए हेसन ने संकेत दिया है कि उनका ध्यान खिलाड़ियों की क्षमता को सही तरीके से इस्तेमाल करने पर रहेगा। टेस्ट क्रिकेट में टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाने के लिए उन्हें लंबी अवधि की योजना पर काम करना होगा। फिलहाल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हेसन को स्थायी टेस्ट कोच बनाए जाने को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है। हेसन की ओर से अपनी उपलब्धता और इच्छा स्पष्ट कर दी गई है। अब यह देखना होगा कि PCB उनके अनुभव और मौजूदा भूमिका को देखते हुए उन्हें टेस्ट टीम की जिम्मेदारी देता है या इस पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार का चयन करता है।

संपादकीय

अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

डीआरडीओ ने पारंपरिक मिसाइल क्षेत्र में जो तकनीकें विकसित की हैं, भारत सरकार ने उन सबको निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है। सवाल है, अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं?

भारत में 2001 में रक्षा क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला गया था। 2020 में इस क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से 74 प्रतिशत और सरकारी मंजूरी के रास्ते 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की इजाजत दी गई। अब तक 350 से ज्यादा निजी कंपनियों को उत्पादन लाइसेंस जारी किए गए हैं। लेकिन 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना को निजी क्षेत्र से इतनी निराशा हुई कि लड़ाई के बाद बड़े सैन्य अधिकारियों ने इन कंपनियों की सार्वजनिक आलोचना की। वायु सेनाध्यक्ष ए.पी. सिंह ने कहा कि एक भी प्रोजेक्ट ऐसा नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों से कॉन्ट्रैक्ट साइन करते वक्त यह पता नहीं होता कि वह समय पर पूरा होगा या नहीं। उन्होंने प्राइवेट कंपनियों से मुनाफे की सोच से ऊपर उठने का आह्वान किया था।

उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह ने भी निजी रक्षा क्षेत्र को लेकर काफी हद तक एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह से मिलते-जुलते विचार जताए। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में (ऑपरेशन सिंदूर से पहले) जब उन्होंने ड्रोन निर्माताओं से समय पर उपकरण देने की क्षमता पूछी, तो कई ने हाथ खड़े कर दिए। दोनों बड़े सैन्य अधिकारियों ने ध्यान दिलाया कि निजी कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च नहीं करना चाहतीं। अब भारत सरकार ने पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों पर सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जो तकनीकें विकसित की थीं, उन सबको उन्हीं निजी कंपनियों को सौंपने को मंजूरी दे दी है।

ऐसा मिसाइल क्षेत्र में सरकार का एकाधिकार खत्म करने का तर्क देकर किया जा रहा है। मगर निजी कंपनियां अपने अनुसंधान क्यों नहीं कर सकतीं? अगर उनमें इसको लेकर प्रतिस्पर्धा हो, तो भारत में ऐसे नए अस्त्र बनाए जा सकते हैं, जिनसे दुनिया अचंभित हो! लेकिन यह अनुभव दुनिया भर का है कि तुरंत मुनाफे की भावना से प्रेरित निजी क्षेत्र दीर्घकालिक महत्त्व के निवेश नहीं करता। ऐसे में सार्वजनिक क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे बेशुमार तजुर्बों से भारत में कुछ नहीं सीखा जा रहा है।

वंदे मातरम् को स्वीकार करने से भाग रही कांग्रेस

वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की राष्ट्रवाद की भावनाओं को प्रतीकित करने का माध्यम है। यह भारत की नियति का एक सबसे सुंदर हिस्सा है। दुर्भाग्य से कांग्रेस पार्टी इस नियति को स्वीकार करने से भाग रही है। जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया, आजादी के 80वें वर्ष तक आते आते उसका इतना पतन हो गया कि उसने अपना ही इतिहास भुला दिया! आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस इतिहास को 1937 से शुरू करना चाहती है। लेकिन वंदे मातरम का इतिहास तो 1875 से शुरू होता है, जब महान बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसकी रचना की थी। इस गीत ने कई तरह के बदलाव देखे हैं। आजादी से पहले और आजादी के बाद की स्थितियां देखी हैं। अगर कांग्रेस इसे आजादी से पहले वाली स्थिति में ही रख कर देखना चाहती है तो यह उसकी समझ है। परंतु मौजूदा समय मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे किसी नेता के दबाव में निर्णय का नहीं है।

क्या कांग्रेस भूल गई कि 1896 के बाद से यह पूरा गीत कांग्रेस के अपने इतिहास का हिस्सा रहा है? स्वंय गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर ने 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए थे। 1896 से लेकर 1937 तक कांग्रेस के कम से कम सात राष्ट्रीय अध्यक्ष मुस्लिम थे और उन सबकी अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। किसी मुस्लिम अध्यक्ष ने इस आधार पर आपत्ति नहीं की थी कि इसमें हिंदू देवी, देवताओं का जिक्र है और इससे उनकी धार्मिक भावना आहत होती है। शुरुआत 1896 से ही होती है, जब मोहम्मद रहमतुल्ला एम सयानी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे और तब के कलकत्ता अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम गाया गया था। ऐसे ही 1913 में कराची अधिवेशन में नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर कांग्रेस अध्यक्ष थे और पूरा वंदे मातरम गाया गया था। 1918 में उस समय के बॉम्बे में हुए विशेष कांग्रेस अधिवेशन में सैयद हसन इमाम कांग्रेस अध्यक्ष थे और वंदे मातरम के सभी छह अंतरे गाए गए। 1921 में हकीम अजमल खां और 1923 में मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे और तब भी पूरे वंदे मातरम का गायन हुआ था। उसके बाद मौलान अबुल कलाम आजाद और मुख्तार अहमद अंसारी के समय भी वंदे मातरम को लेकर विवाद नहीं हुआ।

यह ऐतिहासिक तथ्य है कि मोहम्मद अली जिन्ना से पहले किसी मुस्लिम नेता ने धार्मिक भावना आहत होने के सवाल पर इस गीत का विरोध नहीं किया था। मुस्लिम नेताओं ने इस गीत का विरोध इसलिए नहीं किया था क्योंकि यह राष्ट्रवाद की भावना का गीत था, आजादी की लड़ाई का गीत था और साथ ही हिंदू व मुस्लिम के एक साथ मिल कर अंग्रेजों से लड़ने का गीत था। इस गीत और वंदे मातरम के नारे के साथ तो 1905 के बंग विभाजन का विरोध किया गया था और अंग्रेजों को बंगाल के बंटवारे का फैसला टालने के लिए विवश किया गया था। फिर यह कैसे सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने या किसी की भावना आहत करने वाला गीत हो सकता है?

सबसे पहले इस गीत से मोहम्मद अली जिन्ना की भावना आहत हुई थी। वैसे उनकी भावना आहत होना भी एक राजनीतिक मसला था, जो उनकी महत्वाकांक्षा से जुड़ा था। उन्होंने मुस्लिम आवाम को कांग्रेस से दूर करने के लिए यह मुद्दा उठाया और उस समय कांग्रेस नेतृत्व ने आजादी की लड़ाई के व्यापक संदर्भ को देखते हुए यह समझौता किया कि वंदे मातरम के सिर्फ दो ही अंतरे गाए जाएंगे। तभी 1937 के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार सिर्फ दो अंतरे गाए गए। हालांकि उसके बाद भी कांग्रेस मुस्लिम लीग को संतुष्ट नहीं कर पाई। इसका कारण यह था कि कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं को इस गीत के दो या चार अंतरे से समस्या नहीं थी। उनको वंदे मातरम के दो शब्दों से आपत्ति थी। उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास को राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति का माध्यम बनाया और उसके बाद देश में क्या हुआ यह सब जानते हैं।

अगर कांग्रेस के इस तर्क को मान भी लें कि 1937 में महात्मा गांधी और दूसरे महान नेताओं ने जो वंदे मातरम गाया वही कांग्रेस गाएगी तब भी यह सवाल तो है कि क्या कांग्रेस अब भी मान रही है कि देश के हालात 1937 जैसे हैं? क्या कांग्रेस मान रही है कि नागरिकों का एक समूह देश के राष्ट्रगीत का सम्मान नहीं करना चाहता है तो उसकी मांग के आगे झुक जाया जाए? यह बहुत साफ दिख रहा है कि कांग्रेस अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के चलते न सिर्फ राष्ट्रगीत का अपमान कर रही है, बल्कि कानून और संविधान का भी उल्लंघन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने संसद के मानसून सत्र में विधेयक पारित करके जो कानून बनाया है उसमें बहुत लचीलापन है। उसमें किसी को बाध्य नहीं किया जा रहा है कि वह पूरा वंदे मातरम गाए। राजकीय समारोहों में से पूरा बजाए जाने का प्रावधान किया गया है और नागरिकों से सिर्फ यह उम्मीद की जा रही है कि जब भी वंदे मातरम गाया या बजाया जाए तो वह उसका सम्मान करे। उससे सिर्फ यह उम्मीद की जाती है कि वह वंदे मातरम का अपमान नहीं करे, उसके गायन में बाधा नहीं उत्पन्न करे और इसे रोकने का प्रयास न करे। अगर उसे गीत याद नहीं है तब भी उससे सिर्फ सम्मान की उम्मीद की जा रही है।

असल में देश की मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा है अपनी संवैधानिक पहचान से ऊपर धार्मिक पहचान को रखना चाहता है। यह देश की एकता व अखंडता के लिए एक चिंताजनक विचार है। भारत का संविधान सबको धार्मिक आजादी देता है। लेकिन हर नागरिक की पहली पहचान भारतीय होने की है, जो संविधान से व्याख्यायित है। उससे ऊपर कोई पहचान नहीं हो सकती है। यह बात देश की मुख्य विपक्षी पार्टी को समझने की जरुरत है। नागरिक की संवैधानिक पहचान सबसे ऊपर है और अगर देश की संसद ने कानून बना कर वंदे मातरम का गायन अनिवार्य किया है और उसके सम्मान के कुछ नियम बनाए हैं तो उनका पालन किया जाना चाहिए।

मुश्किल यह है कि कांग्रेस चित भी मेरी और पट भी मेरी की राजनीति कर रही है। उसने संसद में वंदे मातरम के विधेयक पर चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। उसको लग रहा था कि अगर उसने इसका समर्थन किया तो कट्टरपंथी मुस्लिम नाराज होंगे और अगर विरोध किया तो बहुसंख्यक हिंदू समाज के बीच नकारात्मक मैसेज जाएगा। इसलिए उसने रणनीतिक रूप से दूरी रखी। लेकिन बाद में कांग्रेस का असली रुप सामने आ गया। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में जो हुआ उसे पूरे देश ने देखा। जैसे ही वंदे मातरम का तीसरा अंतरा बजना शुरू हुआ सोनिया व राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे तीनों असहज हो गए। सोनिया गांधी का तो चेहरा गुस्से से तमतमाने लगा और उन्होंने सेवा दल के एक स्वंयसेवक को बुला कर नाराजगी जताई। साफ दिख रहा था कि वंदे मातरम का गायन रुकवाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सेवा दल के स्वंयसेवक को कानून की जानकारी थी। इसलिए उसने पूरा गाना बजने दिया। बाद में जयराम रमेश ने कहा कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिए कुर्सी लाने की बात कही थी।

यह कानून में से लूपहोल निकाल कर उससे बचने के प्रयास के सिवा और कुछ नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को पता है कि अगर राष्ट्रगीत को बीच में रोकने का प्रयास किया गया तो मुकदमा दर्ज हो सकता है। इसलिए बचने का यह रास्ता निकाला गया। लेकिन मामला इतना ही नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस की केरल सरकार ने राजकीय समारोह में वंदे मातरम का गायन नहीं कराया, जबकि नए कानून में इसे अनिवार्य किया गया है। स्पष्ट है कि कांग्रेस ने अपनी सहयोगी मुस्लिम लीग की चिंता में कानून का उल्लंघन किया। बाद में 19 अगस्त को कांग्रेस कार्य समिति यानी सीडब्लुसी की बैठक में यह तय किया गया कि कांग्रेस वंदे मातरम के दी अंतरे गाएगी। यह कानूनी रूप से गलत नहीं होगा क्योंकि निजी समारोह में वंदे मातरम के गायन को लेकर कई तरह की छूट दी गई है। परंतु अगर कांग्रेस और उसकी सरकारें मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के चलते राजकीय समारोहों में भी दो ही अंतरे गाती है या वंदे मातरम नहीं गाती है तो यह समस्या वाली बात होगी।

क्या हमारी यात्राएं अकेलेपन से जूझ रही हैं

याद हैं वो दिन, जब पूरा परिवार साथ में यात्राएं करता था? तब यात्राएं कभी भी सिर्फ किसी मंजिल तक पहुंचने का नाम नहीं हुआ करती थीं। वे अपने आप में एक इवेंट थीं, उनमें एक रोमांच था और अकसर चलती-फिरती पिकनिक भी।

बचपन में हम ट्रेन की खिड़की से चिपके रहते थे और अगले स्टेशन का इंतजार करते थे। जैसे ही ट्रेन धीमी होती, हमारे युवा पिता प्लेटफॉर्म-विहीन स्टेशन पर उतर जाते, क्योंकि हम बच्चों को नीचे उतरने की इजाजत नहीं थी। वे फूड-कार्ट की ओर दौड़ते और हममें से कोई चिल्लाता, 'डैडी, वो वाला नहीं! उसके बगल में जो पीला पैकेट है, वो!' ऐसा करके हम ठीक-ठीक बता देते कि हमें कौन-से बिस्किट चाहिए। कोयले के इंजन की लंबी सीटी बजने से पहले पिता को वापस लौट आना होता था। और जब वह सीटी बजती, तो हम सब मिलकर गाने लगते- 'गाड़ी बुला रही है, सीटी बजा रही है!' आसपास बैठे यात्री हमारी बचकानी हरकतों पर मुस्करा देते।

1960 के दशक की यात्राएं ऐसी ही हुआ करती थीं : खाओ, ऊपर वाली बर्थ पर चढ़ो, कुछ मिनट सोने का नाटक करो, फिर नीचे उतरकर दोबारा खाओ। जैसे ही पिता बिस्किट का पैकेट हमारे हाथ में देते, हम उस पर टूट पड़ते और दांतों से उसका रैपर फाड़ते। तब मां तुरंत हमारी पीठ पर चपत लगातीं और कहतीं, 'सब कुछ मुंह से छुओगे, तो बीमार पड़ जाओगे!' वे पैकेट झपटकर अपने पास रख लेतीं, फ्लास्क से स्टील के गिलासों में गरम दूध उड़ेलतीं और हम बिस्किटों को उसमें डुबोकर खाने लगते।

हमें कभी परवाह नहीं होती थी कि बिस्किट किस ब्रांड के हैं, उनमें कौन-कौन-सी चीजें हैं या कितनी कैलोरी हैं। खाली रैपर देखकर हमारा बस एक ही सवाल हुआ करता था : एक और बिस्किट बचा है क्या? अगर जवाब 'नहीं' होता, तो खाली पैकेट तुरंत चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया जाता। कभी-कभी वो पैकेट हवा में उड़कर सामने बैठे अंकल की खिड़की से अंदर पहुंच जाता और वे उसे पकड़ लेते। तब वे हमें ऐसी नजर से देखते, मानो कह रहे हों : 'बैड हैबिट्स'। हम भी तुरंत कह देते, 'सॉरी'।

उस जमाने में ट्रेन का डिब्बा लगभग किसी छोटी-सी बस्ती जैसा होता था। हम छह सीटों वाले किसी भी कूपे में चले जाते और वहां बिल्कुल अनजान लोग भी हमारा स्वागत करते। कोई हमें खाने के लिए कुछ दे भी देता। हम शिष्टता से मना करते और भागकर अपने माता-पिता के पास लौट आते। अब 2026 में आइए। पिछले हफ्ते मुंबई एयरपोर्ट से यात्रा करते हुए अचानक मुझे एहसास हुआ कि घर से निकलने के बाद मैंने एक भी व्यक्ति से बात नहीं की थी।

टैक्सी प्री-पेड थी, इसलिए ड्राइवर ने मुझे चुपचाप एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार पर उतार दिया। डिजीयात्रा ऐप ने मेरा चेहरा पहचान लिया, इसलिए एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवानों से भी मुझे बात करने की जरूरत नहीं पड़ी। इंडिगो के कियोस्क पर मैंने अपना सूटकेस खुद चेक-इन कर दिया।

मशीन ने दो कागज निकाले- एक बोर्डिंग पास और एक बैगेज टैग। सुरक्षा जांच के दौरान और फिर बोर्डिंग गेट पर भी कैमरों ने मुझे पहचान लिया। किसी बातचीत की जरूरत नहीं थी। मैं अपनी सीट पर पहुंचा, नॉइज़-कैंसलिंग हेडफोन लगाए, गले में अपना 'डु नॉट डिस्टर्ब' का संकेत लटकाया और आंखें बंद कर लीं। मेरी आंखें तभी खुलीं, जब विमान के उतरते समय मुझे एक हलका-सा झटका लगा। घर से निकलने के बाद मैंने जो पहला वाक्य बोला, वह एयरपोर्ट के बाहर अपने ऑफिस के ड्राइवर से था।

आधुनिक यात्राओं में आपका स्वागत है। ये बहुत दक्षतापूर्ण होती हैं। इनमें कहीं झंझट नहीं होती। ये अद्भुत रूप से सुविधाजनक हैं। लेकिन इसी फेर में ये बेहद अकेलेपन से भी भर गई हैं। शायद हमें 1960 के दशक की यात्राओं का थोड़ा-सा हिस्सा अपनी 2026 की जिंदगी में वापस लाने की जरूरत है। नहीं, हमें कोयले से चलने वाले इंजनों को वापस लाने की जरूरत नहीं है, ना ही धुएं से भरे डिब्बों और सख्त बर्थों को। लेकिन उस दौर की बातचीतों को हमें जरूर फिर से लौटा लाना होगा। वे अनजान लोग, जो मुस्कराकर मिलते थे। वे बच्चे, जो घूमते-घूमते किसी दूसरे बर्थ पर जा पहुंचते थे। और वे अंकल, जिन्होंने हमारा नाम तक जाने बिना हमें यह सिखा दिया था कि चलती ट्रेन की खिड़की से चीजें बाहर फेंकना बुरी आदत है। फंडा यह है कि तकनीक ने हमारी यात्राओं को तेज कर दिया है। लेकिन अब शायद हमें फिर से इन्हें मानवीय बनाने की जरूरत है। हर जगह 'अकेले' यात्रा करना बंद कर देना चाहिए।

बिजनेस में सबसे जरूरी होते हैं भरोसा और कम्युनिकेशन

हर सीईओ को आखिरकार यह सीखना ही पड़ता है कि बोर्ड के साथ संबंध महज एक औपचारिकता नहीं है। यह कंपनी की रणनीतिक दिशा तय करता है। यही यह भी तय करता है कि लीडरशिप वास्तव में कितनी स्थिर है। विश्वास ही इसकी बुनियाद है। बोर्ड के साथ विश्वास अटूट होना चाहिए। इसका मतलब महज सहमति नहीं है। इसका मतलब है सम्मान और समय के साथ विकसित हुई वास्तविक, पारस्परिक समझ।

जब यह विश्वास टूटता है- चाहे वह बोर्ड के भीतर हो या बोर्ड और सीईओ के बीच या मैनेजमेंट टीम के भीतर- तो नुकसान शायद ही कभी छोटा होता है। अकसर यह बेहद गंभीर होता है और लंबे समय तक बना रहता है। इसीलिए, संवाद का रास्ता खुला रखें। बोर्ड को उन जानकारियों तक पहुंच होनी चाहिए, जो वास्तव में मायने रखती हैं। इसका मतलब रोजमर्रा के कामकाज पर नियंत्रण नहीं, बल्कि कारोबार में वास्तव में क्या हो रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी होना है। पारदर्शिता ही शुरुआत में विश्वास पैदा करती है। और यही बोर्डरूम में बेहतर फैसलों की ओर ले जाती है। यह फैसले लेने की प्रक्रिया को धीमा नहीं करती।

बेहतरीन सीईओ अपने बोर्ड को जानकारी देने के लिए तिमाही बैठक का इंतजार नहीं करते। वे संक्षिप्त और सारगर्भित अपडेट देने की एक नियमित व्यवस्था बनाते हैं, ताकि कोई भी बात अचानक सामने न आए। यह दोनों तरफ से काम करता है। बोर्ड को प्रतिक्रिया देने, सवाल उठाने और अपना दृष्टिकोण रखने के लिए प्रोत्साहित करें। यही संवाद सीईओ को इस बात से वास्तविक रूप से जोड़े रखता है कि बोर्ड कंपनी को किस दिशा में ले जाना चाहता है। आपके बोर्ड को कुछ ऐसी बातें पता होती हैं, जो आपको नहीं पता। बहुत से सीईओ बोर्ड को एक ऐसे समूह के रूप में देखते हैं, जिसे मैनेज करना है, जिसे रिपोर्ट देना है और जिससे एक सुविधाजनक दूरी बनाए रखनी है। लेकिन यह एक गलती है।

बोर्ड के सदस्यों के पास अलग-अलग उद्योगों और परिस्थितियों में काम करने का दशकों का अनुभव होता है, जिनमें से कई परिस्थितियों का सीईओ ने शायद कभी सीधे सामना न किया हो। इस अनुभव का सही इस्तेमाल किया जाए तो यह रणनीतिक योजना बनाने में एक बड़ी पूंजी बन सकता है और वास्तविक संकट के समय तो और मूल्यवान साबित हो सकता है। यही कारण है कि बोर्ड सदस्यों की प्रतिक्रिया को गंभीरता से लें। इसका इस्तेमाल रणनीति को और धार देने तथा उसके क्रियान्वयन को और मजबूत करने में करें। सबसे बेहतर गवर्नेंस ऊपर से नीचे की ओर चलने वाली व्यवस्था नहीं होती। वह सहयोगात्मक होती है।

औपचारिक बोर्ड बैठकें वास्तविक समझ विकसित करने की जगह नहीं होतीं। यह समझ उन बातचीत में बनती है, जो बैठक से पहले और बाद में होती हैं- जहां किसी निदेशक की वास्तविक चिंताएं और प्राथमिकताएं सामने आती हैं।

सैलरी आने के दो हफ्ते बाद क्यों बिगड़ता है मिडिल क्लास का बजट? जानिए पैसे बचाने की 5 आसान ट्रिक

क्या आपकी सैलरी भी महीने की शुरुआत में ही खत्म हो जाती है? अगर हां, तो यह लेख आपके लिए है. जानें कैसे आप महीने के बाकी 15 दिनों के लिए अपनी जेब को संभाल सकते हैं और पैसों की तंगी से बच सकते हैं. 1 तारीख को सैलरी क्रेडिट का मैसेज आते ही लगता है कि जिंदगी सॉर्टेड है, लेकिन 10 से 15 तारीख आते-आते असलियत सामने आ जाती है.होम लोन या रेंट, कार की EMI, बच्चों की स्कूल फीस और राशन इन चार बड़े खर्चों में सैलरी का 60 से 70 फीसदी हिस्सा पहले 10 दिनों में ही उड़ जाता है. अब सामने खड़े हैं महीने के बाकी 15 दिन और बैंक अकाउंट में बचा है सिर्फ चंद हजार रुपयों का सूखा.

अगले 15 दिनों के लिए ऑनलाइन शॉपिंग ऐप्स से दूरी बना लें. कोई भी सामान खरीदने से पहले खुद से पूछें- क्या इसके बिना अगले 15 दिन काम नहीं चल सकता? अगर जवाब 'हां' है, तो उसे सीधे अगले महीने की 1 तारीख तक टाल दें. सप्ताहांत पर कैफे विजिट या देर रात का ऑनलाइन फूड ऑर्डर जेब पर सबसे भारी पड़ता है. एक नॉर्मल डिनर ऑर्डर 500 से 800 रुपये ले डूबता है. अगले दो हफ्ते घर की रसोई और मील प्लानिंग पर फोकस करें. कैश की तंगी देखकर क्रेडिट कार्ड स्वाइप करना सबसे आसान लगता है, लेकिन बिल आने पर सिर्फ 'मिनिमम ड्यू' भरने की गलती कभी न करें. इस पर 36 से 42 फीसदी सालाना का भारी ब्याज लगता है. अगर कार्ड इस्तेमाल कर भी रहे हैं, तो उतना ही खर्चे जितना अगले महीने पहली तारीख को एकमुश्त चुका सकें.

बाकी बचे दिनों के लिए रोज का एक फिक्स खर्च तय करें. मान लीजिए आपके पास 15 दिनों के लिए 6,000 रुपये बचे हैं, तो आपका रोज का कोटा 400 रुपये है. UPI से बार-बार 50-100 रुपये भेजने के बजाय रोज की लिमिट तय कर लें ताकि पैसे उड़ने का अहसास रहे. शाम की चाय-सुट्टा, बेवजह की कैब राइड्स और छोटे-मोटे स्नैक्स देखने में 30-40 रुपये के लगते हैं, लेकिन महीने में यही खर्च 3,000 से 4,000 रुपये तक पहुंच जाते हैं. एक साधारण नोटबुक या फोन के नोट्स ऐप में हर 10 रुपये का हिसाब लिखना शुरू करें. महीने के बीच में कैश की तंगी किसी एक की नहीं, बल्कि ज्यादातर मिडिल क्लास परिवारों की साझा कहानी है. इसका इलाज ज्यादा कर्ज लेना नहीं, बल्कि 15 दिन के लिए अपनी लाइफस्टाइल को थोड़ा रीसेट करना है. आज से ही गैर-जरूरी खर्चों पर ब्रेक लगाइए और अगली पहली तारीख का स्वागत खाली जेब के बजाय सुकून से कीजिए.

सफलता फूड डिलीवरी एप नहीं, जो 10 मिनट में डिलीवर हो

डिक पोर्टिलो एक गरीब परिवार से थे। तीन बच्चों में सबसे छोटे डिक का जन्म शिकागो में मेक्सिको और ग्रीस से आए प्रवासियों के घर हुआ। उनकी परवरिश शहर की सबसे बदनाम हाउसिंग कॉलोनियों में से एक में हुई। 1963 में उन्होंने हॉट-डॉग का एक स्टैंड लगाया, जबकि उन्हें यह तक नहीं पता था कि हॉट-डॉग बनाया कैसे जाता है। 2014 तक, यानी 50 साल बाद उन्होंने 4 हजार कर्मचारियों वाली निजी स्वामित्व की सबसे बड़ी रेस्तरां कंपनी खड़ी कर ली थी। इसकी न कोई फ्रेंचाइजी थी और न कोई बाहरी निवेशक। उनका एक आउटलेट साल में 9 मिलियन डॉलर तक की कमाई कर सकता था, जो एक सामान्य मैकडॉनल्ड्स आउटलेट की कमाई से करीब तीन गुना है। उनका कारोबार निजी ही रहा। वे मीडिया में भी कम ही दिखते थे, क्योंकि वे हॉट डॉग बेचते थे, कोई शाइनिंग टेक्नोलॉजी नहीं। उनकी सफलता दशकों तक चुपचाप बढ़ती रही। आधी सदी बाद उन्होंने कंपनी को 1 बिलियन डॉलर में बेच दिया।

इस रकम से उन्होंने समुद्र किनारे 12 हजार वर्ग फुट का घर, एक मेन्शन, 130 फुट की यॉट और एक प्राइवेट जेट खरीदा। बाकी जीवन के लिए पर्याप्त पैसा सुरक्षित भी रख लिया। हाल ही में आई जीवनी में उन्होंने लिखा कि 'एक समय मैं सोचता था कि इस दुनिया को देने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं है।'

किसी छोटे इंडस्ट्रीयल इलाके पर नजर डालिए, जहां एयरक्राफ्ट डोर के कास्केट से लेकर सॉफ्ट ड्रिंक में डलने वाले कैरेमल तक सब कुछ बनता है तो आपको ऐसे लाखों आंत्रप्रेन्योर मिल जाएंगे। सामूहिक रूप से उनकी संपत्ति खरबों डॉलर की है। उन्होंने चुपचाप अपने मिनी एंपायर खड़े किए हैं। वे शायद ही कभी मीडिया में आए, न कभी सोशल मीडिया सेलिब्रिटी ही बने। फिर भी उनमें से कई मिलियनेयर बन गए।

सफल आंत्रप्रेन्योर बनने के लिए आपका जीनियस होना जरूरी नहीं। स्कूल में मिले नंबर और कोई बिजनेस शुरू करना, इन दोनों चीजों का नाता कमजोर ही है। हाई स्कूल टेस्ट में सर्वाधिक स्कोर करने वाले 10% छात्रों में से सिर्फ 1.3% ही आगे चलकर बिजनेस फाउंडर बने। जो अधिक मायने रखता है, वह है रियल-लाइफ एक्सपीरियंस और फैमिली बिजनेस से कम उम्र में जुड़ाव। मसलन, पोर्टिलो ने 1957 में ग्रेजुएशन के सात दिन बाद ही मरीन कोर जॉइन कर ली थी। वहां बिताए दो सालों को वे जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष मानते हैं, क्योंकि वहां उन्होंने टीमवर्क, ऑर्गेनाइजेशनल प्लानिंग और सही ट्रेनिंग की अहमियत सीखी। अपना बिजनेस खड़ा करते हुए उन्होंने इन तीनों को ही लागू किया।

युवाओं को इन कहानियों से जो सीखना चाहिए, वो सरल है- अगर आप दशकों तक अपने सपने जिंदा रखते हैं तो अंतत: सफलता मिल सकती है, लेकिन इसका कोई शॉर्टकट नहीं है। आज यह कहानियां इसलिए मायने रखती हैं, क्योंकि हम 10 मिनट वाली दुनिया में जी रहे हैं। 10 मिनट में ग्रॉसरी पहुंच जाती है, युवा प्रोफेशनल्स 10 हफ्तों में लीडरशिप पोजिशन और 10 महीनों में मैनेजमेंट में प्रमोशन की उम्मीद करते हैं। मैं इसे 'स्विगी-जोमेटो माइंडसेट' कहता हूं- यानी, पाने लायक हर चीज के जल्दी से मिल जाने की धारणा। लेकिन सफलता ऐसे काम नहीं करती। यदि हम किसी पौधे की डालियों को खींचते रहें तो वो पेड़ नहीं बन जाता। वह इसलिए बढ़ता है क्योंकि उसकी जड़ें जमीन के नीचे मजबूत हो रही होती हैं। मैं अकसर अपनी स्पीच में हमारी आर्म्ड फोर्सेज का संदर्भ देता हूं, क्योंकि वे इस सिद्धांत को हमसे बेहतर समझती हैं। सैनिक किसी ऑपरेशन की तैयारी में 10 साल लगा सकते हैं, जबकि वह ऑपरेशन सिर्फ 10 मिनट में समाप्त हो सकता है। और जब वो 10 मिनट आते हैं तो वे पूरी सटीकता से काम करते हैं, क्योंकि उसी पल के लिए उन्होंने हजारों घंटे तैयारी की होती है। कॅरिअर कोई फूड-डिलीवरी ऑर्डर नहीं है। आप ऑर्डर देकर 10 मिनट में सफलता मिलने की उम्मीद नहीं कर सकते। मजबूत कॅरिअर, बिजनेस और जिंदगी धीरे-धीरे बनते हैं- एक स्किल, एक गलती, एक सीख और एक अनुशासित दिन के साथ। स्पीड की दीवानी दुनिया में धैर्य ही शायद सबसे अंडररेटेड कॉम्पीटिटिव एडवांटेज बन सकता है। जब दूसरे लोग तुरंत परिणाम चाहते हों तो तैयारी में वर्षों खपाने को तैयार लोग ही तब तक टिके रह सकते हैं, जब तालियां बजने की शुरुआत होगी। फंडा यह है कि अपनी प्रोग्रेस को इस आधार पर मत मापिए कि दुनिया आपको कितनी जल्दी नोटिस करती है। इस आधार पर मापिए कि आप खुद को कितनी शिद्दत से तैयार कर रहे हैं।

'हनुमान अंश' की 100 करोड़ की ओटीटी डील निकली झूठ

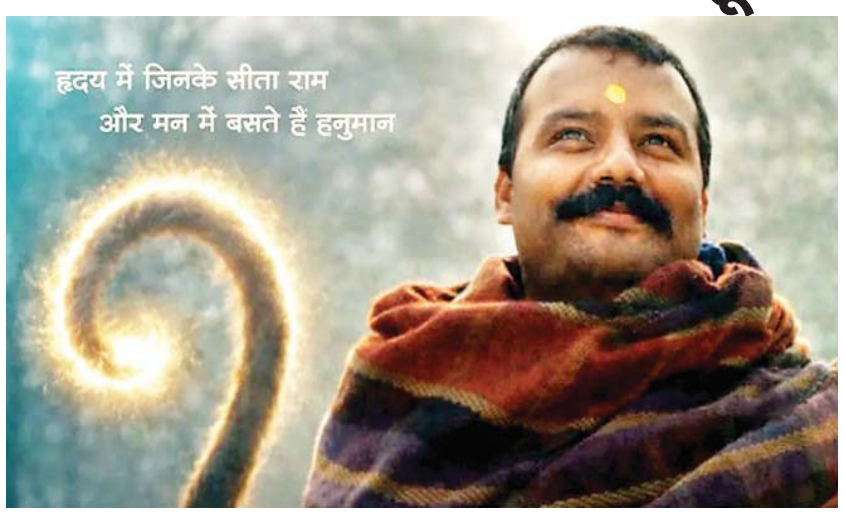

'हनुमान अंश' फिल्म को ओटीटी पर 100 करोड़ रुपये की डील मिलने का दावा किया जा रहा था। सोशल मीडिया पर इस बारे में चर्चा बढ़ने लगी और फैंस के रिएक्शन सामने आने लगे। अब इस दावे को खारिज करते हुए फिल्म की प्रोड्यूसर रागिनी सोना ने बयान दिया, जिसमें उन्होंने इस दावे को झूठा बताया। फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने इंडिया टीवी के साथ बात करते हुए बताया था कि उन्हें बॉलीवुड में कई लोगों ने इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज ना करके ओटीटी पर रिलीज करने की सलाह दी थी। जैसे ही 100 करोड़ की ओटीटी डील की खबर सामनें आई, इस बारे में हर तरफ चर्चा होने लगी।प्रोड्यूसर रागिनी सोना ने एनडीटीवी से बात करते हुए बताया फिल्म की 100 करोड़ की ओटीटी डील को झूठा बताया। उन्होंने कहा, ऐसा कुछ भी नहीं है। ये सब सिर्फ अफवाहें हैं, इसलिए कृपया इन बातों पर ध्यान न दें। आज हमारे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है कि कितने लोग फिल्म देखने थिएटर पहुंच रहे हैं। हमें क्या ऑफर मिल रहा है या कोई प्लेटफॉर्म क्या ऑफर कर रहा है, इसकी किसी को परवाह नहीं है। हमारी बस यही इच्छा है कि आप लोग फिल्म को थिएटर में देखें, इसे पसंद करें, प्यार दें और दूसरों तक इसकी अच्छी बातें पहुंचाएं। आज दर्शक ही फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। मैंने इससे पहले कभी ऐसा न सुना है और न ही देखा है। ये सब नीम करोली बाबा का ही चमत्कार है। निर्माता ने कहा बॉलीवुड हंगामा के साथ इंटरव्यू में फिल्म की निर्माता नम्रता सिंह ने फिल्म की ऑस्कर्स एंट्री पर बात करते हुए कहा, हमें बिल्कुल भी समय नहीं मिल पा रहा है। इसी वजह से हम ऑस्कर के लिए फिल्म की सबमिशन डेट भी मिस कर गए। भारत की तरफ से ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री भेजने की आखिरी तारीख 7 सितंबर थी।निर्माता ने कहा इसके बाद हमें हजारों लोगों के फोन आए कि आपने अपनी फिल्म ऑस्कर के लिए सबमिट क्यों नहीं की, लेकिन सच कहें तो हमें इसकी जानकारी ही नहीं थी। इस समय हम कई चीजों में बिजी हैं और हमारी टीम भी बहुत छोटी है, इसलिए हम इस प्रक्रिया पर ध्यान नहीं दे पाए। निर्माता नम्रता सिंह से हुई इस भूल पर उन्हें काफी पछतावा भी हुआ। उनके हाथ से इतना बड़ा मौका निकल जाने की वजह से वह काफी निराश भी हुईं।

बिग बॉस 20 : अचीवमेंट वाला बयान मैरी कॉम को पड़ा भारी, टीम को देनी पड़ी सफाई

बॉक्सिंग में छह बार की वर्ल्ड चैंपियन और ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बॉक्सर मैरी कॉम इन दिनों बिग बॉस 20 में नजर आ रही हैं. बॉक्सिंग में अपनी दमदार पहचान बनाने वाली मैरी अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं. लेकिन इस बार उनका एक बयान पर विवाद खड़ा हो गया है. बिग बॉस के शो में भारतीय महिला खिलाड़ियों की अचीवमेंट्स को लेकर बात हो रही थी, उस वक्त मैरी ने जो कहा, उसके बाद से उन पर सवाल उठने लगे हैं. मामले के तूल पकड़ने के बाद अब उनकी टीम ने सफाई देते हुए माफी मांगी है.दरअसल, बिग बॉस 20 के एक एपिसोड में मैरी कॉम और काजी तौकीर भारतीय महिला खिलाड़ियों के बारे में बात कर रहे थे. इस दौरान काजी ने देश का नाम रोशन करने वाली कुछ महिला खिलाड़ियों का नाम लेना शुरू किया. उन्होंने टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल का जिक्र किया.काजी अपनी बात पूरी कर पाते, उससे पहले ही मैरी कॉम बोल पड़ी. उन्होंने कहा, %लेकिन मेरे जैसा कोई अचीव नहीं किया.% इसके बाद उन्होंने अपनी खेल की उपलब्धियों की तरफ इशारा किया.वैसे मैरी कॉम का खेल का रिकॉर्ड वाकई शानदार रहा है. वह छह बार वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी हैं. उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता था. वह ओलंपिक में मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला बॉक्सर हैं. लेकिन मैरी कॉम के इस बयान को लेकर लोग गुस्से में हैं.मैरी का यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का रिएक्शन मिला – जुला रहा. कुछ लोगों को लगा कि मैरी अपने जवाब के जरिए सानिया मिर्जा और साइना नेहवाल ने क्या हासिल किया इसकी तुलना अपनी अचीवमेंट्स से कर रही थीं.लोगों का कहना था कि काजी तो सिर्फ देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिला खिलाड़ियों के नाम गिना रहे थे, लेकिन मैरी के जवाब से बात तुलना तक पहुंच गई. कुछ लोगों ने इस बयान के लिए मैरी की आलोचना भी की और उन्हें घमंडी तक कह दिया.हालांकि, कई लोग मैरी के सपोर्ट में भी नजर आए. उनका कहना था कि मैरी कॉम ने अपने करियर में बहुत कुछ हासिल किया है और अपनी उपलब्धियों पर गर्व करना गलत नहीं है.बढ़ती आलोचना के बीच अब मैरी कॉम की टीम ने इस पूरे मामले पर इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए सफाई दी है. टीम ने कहा कि अगर मैरी की बात को किसी दूसरे तरीके से समझा गया है तो इसके लिए वे माफी मांगते हैं.टीम ने लिखा, मैरी का मकसद किसी भी दूसरे खिलाड़ी को छोटा दिखाना नहीं था. न ही वह अपनी खेल यात्रा की तुलना किसी और खिलाड़ी से करना चाहती थीं. टीम के मुताबिक, मैरी भारत के लिए खेलने वाले हर खिलाड़ी का सम्मान करती हैं.टीम ने यह भी कहा कि हर खिलाड़ी का सफर अलग होता है और हर उपलब्धि की अपनी अहमियत होती है. जब भी कोई खिलाड़ी देश के लिए मेडल जीतता है तो ये देश के लिए गर्व की बात है. ये पहली बार नहीं है जब इस साल मैरी कॉम अपने किसी बयान को लेकर चर्चा में आई हैं. फरवरी में तलाक से जुड़े एक बयान को लेकर भी उनकी आलोचना हुई थी. उस समय अपने पूर्व पति को लेकर कही गई बात पर मैरी ने बाद में सफाई दी थी और माफी भी मांगी थी.

TIFF में कीर्ति सुरेश का देसी अंदाज कांचीपुरम सिल्क में बिखेरा जलवा

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दुनिया के प्रमुख सिनेमा आयोजनों में गिना जाता है। यहां विभिन्न देशों और भाषाओं की फिल्मों, कलाकारों तथा फिल्म निर्माताओं को वैश्विक दर्शकों के सामने आने का अवसर मिलता है। ऐसे मंच पर कीर्ति सुरेश का भारतीय पारंपरिक पहनावे में पहुंचना उनके प्रशंसकों के लिए गर्व का क्षण बन गया। उनकी तस्वीरों ने यह संदेश भी दिया कि अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट पर अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ उपस्थित होना किसी कलाकार के व्यक्तित्व को और प्रभावशाली बना सकता है।

भारतीय अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने 2026 टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी नई फिल्म 'डोरोथी' के वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। रेड कार्पेट पर पहुंचीं नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेत्री ने ग्लैमर के साथ भारतीय परंपरा का खूबसूरत मेल प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने लुक के माध्यम से तमिलनाडु और केरल से जुड़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों का जश्न मनाया। कीर्ति का यह पारंपरिक अंदाज अब प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।'डोरोथी' के वर्ल्ड प्रीमियर के लिए कीर्ति सुरेश ने कांचीपुरम सिल्क और पारंपरिक काशू माला का चयन किया। अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के रेड कार्पेट पर भारतीय वस्त्र और आभूषण पहनकर पहुंचीं अभिनेत्री ने अपने लुक को केवल फैशन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे अपनी विरासत और पहचान से जोड़ा। उनकी तस्वीरों में पारंपरिक भारतीय सौंदर्य के साथ आत्मविश्वास और आधुनिक रेड-कार्पेट शैली का संतुलन दिखाई दिया। कीर्ति ने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने परिधान के पीछे की भावना भी बताई। उन्होंने लिखा, टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'डोरोथी' के लिए। कांचीपुरम सिल्क और काशू माला का मेल—टोरंटो में मेरी तमिल और केरल की जड़ों का जश्न। उनके इस संदेश से स्पष्ट हुआ कि अभिनेत्री के लिए यह लुक महज किसी बड़े समारोह में पहना गया परिधान नहीं था, बल्कि परिवार, संस्कृति और क्षेत्रीय विरासत से जुड़ाव की अभिव्यक्ति भी था। कांचीपुरम सिल्क दक्षिण भारतीय परंपरा में विशेष स्थान रखती है। अपनी बुनावट, चमक और पारंपरिक स्वरूप के कारण इसे खास अवसरों पर प्राथमिकता दी जाती है। दूसरी ओर, काशू माला केरल की पारंपरिक आभूषण शैली का हिस्सा मानी जाती है। सिक्कों जैसी आकृतियों वाली यह माला दक्षिण भारतीय साज-सज्जा को अलग पहचान देती है। कीर्ति ने इन दोनों सांस्कृतिक प्रतीकों को एक साथ अपनाकर तमिल और मलयाली विरासत के बीच सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया।टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दुनिया के प्रमुख सिनेमा आयोजनों में गिना जाता है। यहां विभिन्न देशों और भाषाओं की फिल्मों, कलाकारों तथा फिल्म निर्माताओं को वैश्विक दर्शकों के सामने आने का अवसर मिलता है। ऐसे मंच पर कीर्ति सुरेश का भारतीय पारंपरिक पहनावे में पहुंचना उनके प्रशंसकों के लिए गर्व का क्षण बन गया। उनकी तस्वीरों ने यह संदेश भी दिया कि अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट पर अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ उपस्थित होना किसी कलाकार के व्यक्तित्व को और प्रभावशाली बना सकता है।कीर्ति सुरेश ने अपने करियर में अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में अभिनय करते हुए पहचान बनाई है। अभिनय के साथ उनकी फैशन पसंद भी अक्सर चर्चा में रहती है। वह आधुनिक परिधानों के अलावा साड़ी और अन्य भारतीय वस्त्रों में भी दिखाई देती रही हैं। हालांकि टोरंटो में उनका यह लुक इसलिए खास रहा, क्योंकि इसे उन्होंने अपनी फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर और अपनी क्षेत्रीय जड़ों—दोनों से जोड़कर प्रस्तुत किया।

तमन्ना भाटिया के 'छठी मैया' गाने का कमाल, 2 दिन में 20 मिलियन व्यूज

'छठी मैया' गाने के यूट्यूब वीडियो पर महज 2 दिनों में करीब 22 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। कमाल बात ये है कि ये गाना 17वें नंबर पर दुनियाभर में ट्रेंड कर रहा है। वीडियो के कमेंट सेक्शन में फैंस इस गाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि बॉलीवुड में छठ का महत्व देखना अच्छा लग रहा है।

तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा की आने वाली फिल्म 'द वन' में पहली बार छठ पूजा को दिखाया गया और साथ ही पहली बार छठी मैया पर एक गाना भी बनाया गया है। ये गाना 10 सितंबर 2026 को जी म्यूजिक कंपनी के ऑफिशियल यूट्यूब पर रिलीज किया गया। इस गाने को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं, इतना ही नहीं फिल्म और इस गाने की इसलिए भी चर्चा हो रही है क्योंकि बॉलीवुड में छठ पूजा के महत्व और आस्था को दिखाने वाली ये पहली फिल्म है।

'छठी मैया' गाने के यूट्यूब वीडियो पर महज 2 दिनों में करीब 22 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। कमाल बात ये है कि ये गाना 17वें नंबर पर दुनियाभर में ट्रेंड कर रहा है। वीडियो के कमेंट सेक्शन में फैंस इस गाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि बॉलीवुड में छठ का महत्व देखना अच्छा लग रहा है।इस गाने को सिंगर विशाल मिश्रा ने आवाज दी, बोल कौशल किशोर ने लिखे और गाने के लिए कोरियोग्राफी चिन्नी प्रकाश ने की है। गाने में सोशल मीडिया पर एक नाराजगी भी देखी गई जहां लोगों ने छठ पूजा को सही से ना दिखाने के लिए अपनी नाराजगी जताई। यूजर्स ने दावा किया कि इस पूजा में पीला रंग पहनना जरूरी होता है लेकिन तमन्ना भाटिया समेत सभी औरतें लाल साड़ी पहने दिखाई देती है।हालांकि गाने में हर जरूरी रस्म को ध्यान रखा गया है जैसे शाम के समय में अर्घ्य देना या सुबह की पूजा करना और कोसी भरने की रस्म निभाना, गाने में इन सभी जरूरी बातों का अच्छे से ध्यान रखा गया। दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभ कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'द वन' एक फैंटेसी थ्रिलर है जो पौराणिक कथा से प्रेरित है। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, मनीष पॉल, श्वेता तिवारी और अनूप सोनी जैसे कलाकार हैं।फिल्म 'द वन' की कहानी की बात करें तो, ये एक रहस्यमयी जंगल, अलौकिक शक्तियां और एक प्राचीन मंदिर की कहानी है, जहां एक शहरी इंसान अपने पूर्वजों के गांव के प्रतिबंधित जंगल में जाता है और एक दैवीय शक्ति को जागृत करता है। फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धबछुआ मोड़ के पास ट्रक चालक से लूट के मामले में एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर कई थानों की पुलिस ने की ताबड़तोड़ कार्रवाई

नावानगर लूटकांड का चार घंटे में खुलासा, तीन अपराधी गिरफ्तार; मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद

बक्सर (संवाददाता)।

जिले के नावानगर थाना क्षेत्र में रविवार की रात ट्रक चालक के साथ हुई लूट की घटना का पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई शुरू की और तकनीकी तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों तक पहुंच बनाई। पुलिस टीम ने लूटकांड में शामिल चार अपराधियों में से तीन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चौथा आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से ट्रक चालक से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

डुमरांव एसडीपीओ समीर कुमार सिंह के अनुसार, रविवार की रात नावानगर थाना क्षेत्र के धबछुआ मोड़ के समीप चार अपराधियों ने एक ट्रक चालक को रोककर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। अपराधियों ने चालक से नकदी समेत उसका मोबाइल फोन छीन लिया और इसके बाद मौके से फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना से ट्रक चालक सकते में आ गया। घटना के बाद उसने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस महकमे में सक्रियता बढ़ गई।

मामले की जानकारी मिलते ही बक्सर के एसपी शुभम आर्य ने घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस टीम का गठन कर अपराधियों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने बिना समय गंवाए कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के साथ अन्य उपलब्ध सुरागों को भी खंगाला गया। पुलिस टीम ने अपराधियों की पहचान करने के बाद उनके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई और वहां लगातार छापेमारी शुरू कर दी।

पुलिस की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई का परिणाम रहा कि घटना के महज चार घंटे के भीतर लूटकांड में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके पास से ट्रक चालक से छीना गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया। वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से मामले की जांच को महत्वपूर्ण आधार मिला है और फरार आरोपी तक पहुंचने की कोशिश तेज कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धबछुआ गांव निवासी अखिलेश पासवान के पुत्र मुकेश कुमार, अतमी डेरा निवासी अशोक सिंह के पुत्र कृष्णा कुमार तथा कुंजनारा निवासी अशोक सिंह के पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस अब गिरफ्तार तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि लूट की पूरी घटना में उनकी भूमिका स्पष्ट की जा सके और फरार चौथे आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल हो सके।

नावानगर लूटकांड के उद्भेदन के लिए गठित पुलिस टीम में डुमरांव एसडीपीओ समीर कुमार सिंह के साथ अंचल निरीक्षक अरविंद कुमार, नावानगर थानाध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार, कोरान सराय थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार, वासुदेवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार, नावानगर अपर थानाध्यक्ष मिंटू कुमार तथा डीआईयू टीम के सदस्य और पुलिस बल के जवान शामिल थे।

अलग-अलग स्तर पर जुटाई गई जानकारी और पुलिस टीमों के समन्वित प्रयास से अपराधियों तक पहुंचने में सफलता मिली। घटना के बाद पुलिस की ओर से की गई त्वरित कार्रवाई को नावानगर लूटकांड के उद्भेदन में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

पुलिस टीम ने घटना की सूचना मिलने के बाद संभावित सुरागों को जोड़ते हुए तेजी से जांच आगे बढ़ाई और चार घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इससे न केवल लूट की घटना की जांच को गति मिली है, बल्कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस को अहम सुराग मिलने की संभावना है।

चार अपराधियों ने मिलकर दिया था वारदात को अंजाम

डुमरांव एसडीपीओ समीर कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में लूट की इस घटना में कुल चार अपराधियों के शामिल होने की बात सामने आई है। इनमें से तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चौथा आरोपी अभी फरार है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस उसके बारे में उपलब्ध सूचनाओं और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि गिरफ्तार आरोपियों का किसी अन्य आपराधिक घटना से संबंध रहा है या नहीं। पूछताछ के दौरान आरोपियों से उनके आपराधिक नेटवर्क, घटना की योजना और वारदात में उनकी भूमिका से जुड़े पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की जांच अभी जारी है।

फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि लूट की घटना में शामिल चौथे आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई जारी है। पुलिस उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है और लगातार छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर भी फरार आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। नावानगर थाना क्षेत्र में हुई इस लूट की घटना के बाद पुलिस ने जिस तेजी से कार्रवाई की, उससे मामले का चार घंटे में खुलासा संभव हो सका। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद कर ली है। अब पुलिस की प्राथमिकता फरार चौथे आरोपी की गिरफ्तारी और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच पूरी करना है।

गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंजा पुस्तकालय रोड, 18 सितंबर को भव्य भंडारे के साथ होगा गणेश उत्सव का समापन

नालबंद टोली में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चल रहा गणेश पूजन, सुबह-शाम आरती में उमड़ रहे श्रद्धालु

बक्सर (संवाददाता)।

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर बक्सर शहर के पुस्तकालय रोड स्थित नालबंद टोली में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना का शुभारंभ किया गया। गणपति बप्पा की स्थापना के साथ ही इलाके में धार्मिक और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा स्थल पर पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलमय जीवन की कामना कर रहे हैं।

गणेश प्रतिमा की स्थापना के बाद से ही नालबंद टोली और पुस्तकालय रोड का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। बुधवार को भी श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। पूजा स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। स्थानीय लोगों के सहयोग से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में आसपास के लोग भी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

पूजा आयोजन से जुड़े शिवजी खेमका ने बताया कि भगवान गणेश की पूजा-अर्चना आगामी 18 सितंबर तक अनवरत जारी रहेगी। पूजा-पाठ का आयोजन स्थानीय विद्वान पंडित जी द्वारा पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया जा रहा है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालु श्रद्धा के साथ शामिल हो रहे हैं और पूजा स्थल पर भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

आयोजन के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम भगवान गणेश की भव्य आरती का आयोजन किया जा रहा है। आरती के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा स्थल पर एकत्र होते हैं। भक्तिभाव से आरती में शामिल श्रद्धालुओं द्वारा गणेश वंदना की जाती है। इसके बाद 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से पूरा नालबंद टोली और आसपास का क्षेत्र गूंज उठता है।

आरती के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बनता है। भक्त भगवान गणेश के समक्ष पूजा-अर्चना कर उनसे सुख, शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। आरती संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जाता है। प्रसाद ग्रहण करने के लिए भी लोग श्रद्धापूर्वक पूजा स्थल पर मौजूद रहते हैं। गणेश उत्सव को लेकर पुस्तकालय रोड स्थित नालबंद टोली में स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतिदिन आसपास के मोहल्लों से श्रद्धालु पूजा स्थल पर पहुंच रहे हैं। लोग भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन कर पूजा-अर्चना में शामिल हो रहे हैं। आयोजन के कारण पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना हुआ है।

शिवजी खेमका ने बताया कि गणेश पूजन के दौरान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूजा-पाठ और आरती का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय श्रद्धालु भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। गणेश उत्सव के चलते नालबंद टोली का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से सराबोर है। गणेश उत्सव के दौरान लगातार हो रही पूजा-अर्चना और आरती से पुस्तकालय रोड स्थित नालबंद टोली में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है। भगवान गणेश के जयघोष और आरती से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आ रहा है। स्थानीय श्रद्धालु आयोजन में अपनी सहभागिता निभाते हुए गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर शुरू हुआ यह धार्मिक आयोजन स्थानीय स्तर पर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है। सुबह और शाम होने वाली आरती में लोगों की भागीदारी और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से आयोजन स्थल पर उत्सव का माहौल बना हुआ है। पूजा स्थल पर आने वाले श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन के साथ प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं।

18 सितंबर को होगा भव्य भंडारा

आयोजन के अंतिम दिन यानी 18 सितंबर को भव्य भंडारे एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। इसी के साथ भगवान गणेश के पूजन कार्यक्रम का विधिवत समापन होगा। भंडारे को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं में उत्साह है। आयोजन से जुड़े लोगों के अनुसार गणेश पूजन के अंतिम दिन श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाएगी।

हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर सजा काव्य का मंच, कवियों की रचनाओं से गूंजा सभागार

बक्सर (संवाददाता)।

हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर रोटरी क्लब की ओर से रविवार को हिंदी दिवस कवि सम्मेलन-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के साहित्यप्रेमियों और रोटेरियन सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देशभक्ति, सामाजिक सरोकार, हास्य-व्यंग्य और समसामयिक विषयों पर कवियों की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को देर तक बांधे रखा। काव्य पाठ के दौरान सभागार तालियों और ठहाकों से गूंजता रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब अध्यक्ष निर्मल कुमार सिंह ने की। मंच संचालन श्री भगवान सिंह एवं जाने-माने शायर साबित रोहतासवी ने अपने प्रभावी और रोचक अंदाज में किया। कवि सम्मेलन में करीब 25 कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिंदी भाषा की महत्ता, सामाजिक विसंगतियों, बदलते परिवेश और मानवीय संवेदनाओं को शब्द दिए। कवि सम्मेलन में धनु लाल प्रेमातुर, शिव बहादुर पांडेय 'प्रीतम', श्री भगवान पांडेय 'निराश', डॉ. अरुण मोहन मारवि, वैरागी प्रभाष चतुर्वेदी, विष्णुदेव तिवारी, प्रो. श्रीकांत चतुर्वेदी, नंदेश्वर उपाध्याय, साबित रोहतासवी, फारूक सैफी, हृदय नारायण शर्मा 'हेहर', रामेश्वर प्रसाद वर्मा, रत्नेश ओझा 'राही', वशिष्ठ पांडेय, उमेश कुमार पाठक 'रवि', राजय सागर, धनंजय गड़ाकेश, राजा रमेश पांडेय और राजा रमन पांडेय समेत अन्य रचनाकारों ने काव्य पाठ किया।

हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए, वहीं ओजपूर्ण और भावपूर्ण कविताओं ने वातावरण को गंभीर एवं भावुक बना दिया। कवियों की प्रस्तुतियों के बीच श्रोताओं की तालियों से सभागार लगातार गूंजता रहा। इस अवसर पर रोटरी क्लब की ओर से सभी कवियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष निर्मल कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना और भावनाओं को जोड़ने वाली मजबूत कड़ी है। ऐसे साहित्यिक आयोजनों से समाज में हिंदी के प्रति सम्मान बढ़ता है और नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति रुचि पैदा होती है।

कार्यक्रम में रोटरी के सहायक गवर्नर टीएन चौबे, वरिष्ठ रोटेरियन प्रदीप कुमार जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष डॉ. दिलशाद आलम, सचिव मनोज वर्मा, कोषाध्यक्ष कुमार सागर, रो. कृष्णानंद सिंह टुन्नू, शिवाधर तिवारी, एसएम साहिल, रवि निर्मल, अरुण कुमार, रो. सुनीता सिंह, प्रभुनाथ प्रसाद, अनिल जायसवाल, राजकुमार सिंह, सुनील कुमार, विवेक कुमार तथा रोटेरियन डोमेनिक अमलान समेत क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में रोटेरियन मीना सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने सभी कवियों, अतिथियों, साहित्यप्रेमियों एवं रोटेरियन सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

बिहार के अपर महाधिवक्ता बने बक्सर के विन्ध्याचल राय

बक्सर(संवाददाता)। उच्च न्यायालय पटना के अधिवक्ता एवं विधि के क्षेत्र में लंबे अनुभव और विशिष्ट पहचान रखने वाले विंध्याचल राय को बिहार सरकार में अपर महाधिवक्ता नियुक्त किया है। वे बक्सर जिले के डुमरांव अनुमंडल के मूल निवासी हैं। उनकी इस उपलब्धि ने जिले का गौरव प्रदान किया है। इस बात पर खुशी जाहीर करने वाले लोगों ने उन्हें ढ़ेर सारी बधाइयां दी है।

भाजपा युवा मोर्चा बिहार प्रदेश के प्रदेश सह संयोजक एवं पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता दीपक यादव ने विंध्याचल राय को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति उनकी दीर्घकालीन विधिक साधना, विद्वता, अनुभव, नेतृत्व क्षमता और न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सम्मान है।

उन्होंने कहा कि श्री राय ने विधि के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है और उनका व्यापक अनुभव बिहार सरकार के विधिक पक्ष को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दीपक यादव ने कहा, राय के वल वरिष्ठ अधिवक्ता ही नहीं, बल्कि आदरणीय अभिभावक एवं बड़े भाई के समान हैं। उनके नए दायित्व से बक्सर और डुमरांव के युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है। विंध्याचल राय की नियुक्ति पर बधाई देने वालों में भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुमन श्रीवास्तव, इंद्र प्रताप सिंह उर्फ चुन्नू सिंह, सुनील सिद्धार्थ, अजय प्रताप सिंह, निहार रंजन वर्मा, शक्ति राय, संटू मित्रा, अभिषेक रंजन, मुखिया कुशवाहा, राहुल प्रताप, रोहित सिंह सहित डुमरांव एवं बक्सर क्षेत्र के सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हैं।

डॉ. केके मंडल महिला महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

वक्ताओं ने हिंदी के इतिहास, समृद्ध शब्द भंडार और व्यापक उपयोगिता पर रखे विचार

बक्सर(संवाददाता)। शहर के नया बाजार स्थित डॉ. केके मंडल महिला महाविद्यालय में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिंदी भाषा के महत्व, इतिहास, समृद्धि, उपयोगिता और व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, एकता और प्राचीन परंपराओं की पहचान भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने और दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर रामाधार सिंह ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा किसी भी समाज और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिंदी ने लंबे समय से देश के अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों के बीच संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर रामाधार सिंह ने हिंदी के इतिहास और हिंदी दिवस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषाओं में शामिल है। हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है और इसे बाएं से दाएं लिखा जाता है। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी के बाद प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस का उद्देश्य केवल एक दिन हिंदी को याद करना नहीं, बल्कि भाषा के प्रति सम्मान और उसके व्यापक प्रयोग की भावना को मजबूत करना भी है। प्रोफेसर रामाधार सिंह ने हिंदी की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदी ने देश में संवाद और संपर्क की भाषा के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समय के साथ हिंदी का विस्तार विभिन्न क्षेत्रों में हुआ है और आज इसका व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी के अध्ययन और इसके सही प्रयोग के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी में प्रोफेसर इंद्रमणि लाल ने हिंदी की भाषाई विशेषताओं और इसकी सामाजिक भूमिका पर अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि हिंदी का शब्द भंडार अत्यंत समृद्ध है और इसका उच्चारण वैज्ञानिक प्रकृति का है। उन्होंने कहा कि हिंदी देश के विभिन्न राज्यों और अलग-अलग संस्कृतियों से जुड़े लोगों को आपस में जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में हिंदी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि महात्मा गांधी सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को एकजुट करने के लिए हिंदी को माध्यम बनाया था। हिंदी ने लोगों के बीच संवाद स्थापित करने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रोफेसर इंद्रमणि लाल ने कहा कि वर्तमान समय में भी हिंदी के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए और उसके प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

संगोष्ठी के दौरान हिंदी भाषा की वर्तमान समय में उपयोगिता पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि बदलते समय के साथ भाषा के प्रयोग के तरीके में बदलाव आया है, लेकिन हिंदी की उपयोगिता लगातार बनी हुई है। शिक्षा, साहित्य और सामाजिक संवाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी का व्यापक प्रयोग किया जाता है।

हिंदी भारतीय संस्कृति और परंपरा की पहचान : अनिल कुमार

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि हिंदी विश्व स्तर पर सबसे अधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि हिंदी को केवल बातचीत या विचारों के आदान-प्रदान तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारत की संस्कृति, एकता और प्राचीन परंपराओं की पहचान भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे हिंदी भाषा के प्रति सम्मान की भावना रखें और इसके प्रयोग को बढ़ावा दें। उनका कहना था कि अपनी भाषा के प्रति सम्मान बनाए रखना अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480